दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 321 ■ दमण, शुक्रवार 11, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रिंस रहीम आगा खान पंचम ने पीएम मोदी से मुलाकात की

■ प्रधानमंत्री ने भारत की विकास प्राथमिकताओं में आगा खान विकास नेटवर्क के दीर्घकालिक योगदान की सराहना की ■ प्रधानमंत्री ने विरासत संरक्षण और नवीनीकरण में नेटवर्क के कार्यों की प्रशंसा की ■ आगा खान ने भारत के समावेशी विकास और सामाजिक प्रगति में आगा खान विकास नेटवर्क की प्रतिबद्धता दोहराई

पीआईबी, नई दिल्ली 10 सितंबर। आगा खान विकास नेटवर्क-एकेडीएन के अध्यक्ष, प्रिंस रहीम आगा खान पंचम ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बातचीत में प्रधानमंत्री ने भारत में आगा खान विकास नेटवर्क के दीर्घकालिक योगदान की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से सतत शहरी विकास, जल संरक्षण, स्वास्थ्य सेवा, ग्रामीण स्वच्छता, युवाओं के कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में इस विकास नेटवर्क के कार्यों को सराहा। प्रधानमंत्री ने देशभर में ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और नवीनीकरण द्वारा भारत की सांस्कृतिक विरासत संरक्षित रखने में एकेडीएन के अग्रणी प्रयासों की भी सराहना की। श्री रहीम आगा खान ने भारत के समावेशी विकास और सामाजिक प्रगति में आगा खान विकास नेटवर्क की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने भारत की परिवर्तनकारी विकास पहल की सराहना की और लोक कल्याणकारी कार्यों में नवाचार की भूमिका पर विचार साझा किए।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का संघ प्रदेश थ्रीडी दौरा आज

■ दादरा नगर हवेली के सिलवासा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित होगा सार्वजनिक समारोहः उपराष्ट्रपति महोदय होंगे मुख्य अतिथि ■ उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के दौरे को लेकर संघ प्रदेश प्रशासन ने किये सुरक्षा के कडे इंतजाम ■ 2 दिवसीय दौरे में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन प्रदेश के प्रमुख संस्थानों और विकास स्थलों का करेंगे दौरा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/सिलवासा, 10 सितंबर। भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का 11 सितंबर को संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण-दीव में दौरा होने जा रहा है। उपराष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर संघ प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के दौरे को लेकर संघ प्रदेश प्रशासन ने सुरक्षा के कडे इंतजाम किये हैं। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन द्वारा 11 सितंबर 2026 को सिलवासा में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया जाएगा। सार्वजनिक समारोह की अध्यक्षता भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन करेंगे। दादरा नगर हवेली के सिलवासा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कॉलेज ऑडिटोरियम में दोपहर 3 बजे से सार्वजनिक समारोह आयोजित होगा। सार्वजनिक समारोह के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन प्रदेश के नागरिकों से रूबरू होंगे। इसके साथ ही राष्ट्रपति महोदय प्रदेश में हुए विकास कार्यों का भी अवलोकन करेंगे। वहीं उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रदेश के नागरिकों में उत्साह का माहौल है। उनके दौरे को केंद्र शासित प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा में जुटे हुए हैं। प्रशासन ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल के अंदर किसी भी प्रकार का हैंडबैग ले जाने की अनुमति नहीं होगी। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन दमण के विकास प्रोजेक्टों का भी दौरा करेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 11 सितंबर को दमण के नवनिर्मित नमो एयरपोर्ट पर उतरेंगे। जहां पर उनका राजकीय सम्मान किया जाएगा। इसके बाद उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन सिलवासा में आयोजित सार्वजनिक समारोह में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति संघ प्रदेश में प्रमुख संस्थानों और विकास पहलों का भी दौरा करेंगे, जिनमें सिलवासा स्थित स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर और नमो मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट शामिल हैं। इसके साथ ही दमण स्थित नमो अस्पताल, पर्यटन और वॉटरफ्रंट विकास से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों का भी दौरा करेंगे। इस दौरान दमण नाइट मार्केट, रामसेतु सीफ्रंट और नमोपथ सीफ्रंट की भी मुलाकात लेंगे।

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन

नया भारत

आपको सादर आमंत्रित किया जाता है

माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा अध्यक्षता किए जाने वाले
सार्वजनिक समारोह में

श्री सी. पी. राधाकृष्णन जी
भारत के माननीय उपराष्ट्रपति

दिनांक 11 सितंबर, 2026
दोपहर 03:00 बजे से
स्थान: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कॉलेज ऑडिटोरियम, सिलवासा, दादरा एवं नगर हवेली

श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक
संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत

नोट : कार्यक्रम स्थल के अंदर किसी भी प्रकार के हैंडबैग ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और मोमबत्ती निकाली, डॉक्टर हैरान

नरसाराओपेट (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। महिला को सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट के अंदर कई असामान्य वस्तुएं मौजूद होने का पता चला। सर्जरी के दौरान महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। जानकारी के मुताबिक पेटलुरिवारीपलेनी मंडल की रहने वाली महिला को कुछ समय से सीने में दर्द की शिकायत थी। दर्द बढ़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद कई मेडिकल टेस्ट और स्कैन कराए। रिपोर्ट में पेट के अंदर ठोस वस्तुओं की मौजूदगी सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला की सर्जरी करने का फैसला लिया। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की मदद से पेट में छोटा चीरा लगाकर अंदर मौजूद वस्तुओं को एक-एक कर बाहर निकाला। डॉक्टरों के मुताबिक पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। डॉक्टरों ने बताया कि एक पेन का ढक्कन नहीं था और उसका हिस्सा पेट की अंदरूनी सतह में चुभ रहा था। माना जा रहा है कि इसी वजह से महिला को दर्द हो रहा था। डॉक्टरों के मुताबिक एक साथ इतनी संख्या में ठोस वस्तुओं का पेट में पाया जाना बेहद असामान्य और दुर्लभ है।

बीजेपी कर सकती है 5 राज्यों में चुनाव से पहले नए प्रभारियों की घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले नए मोर्चा प्रभारियों के नामों की घोषणा कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक हरिश द्विवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया जा सकता है। वहीं सतीश पूनिया को भी पद मिल सकता है। पार्टी महिला मोर्चा, एसएसटी, ओबीसी और किसान मोर्चा के प्रभारियों की भी घोषणा कर सकती है। बीजेपी हरीश दिवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बना सकती है, वहीं महिला मोर्चा की डी. पुरंदेश्वरी को प्रभारी, एससी मोर्चा के संजय भाटिया, ओबीसी मोर्चा वैजयंत पांडा, किसान मोर्चा लाल सिंह आर्या, एसटी मोर्चा सतीश पूनिया, अल्पसंख्यक मोर्चा गजेंद्र पटेल को जिम्मेदारी सौप सकती है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादी गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो घाटी जिलों से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां बुधवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स और गढ़वाल राइफल्स को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले के माना इंगखोल में 'नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर' के 28 साल के सक्रिय सदस्य को पकड़ा। उन्होंने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले में चिंगमेइरोंग से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के 44 साल एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के मुताबिक पकड़े गए दो अन्य लोगों में एक प्रतिबंधित कांगलेई याओल कन्ना लुप का सक्रिय सदस्य है, जिसे इंफाल पश्चिम के सागोलटोंगबा स्थित उसके घर से पकड़ा। वहीं, दूसरा व्यक्ति इंफाल पूर्व के अहल्लुप से पकड़ा गया, जो केसीपी का सदस्य है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

सलमान की काला हिरण पर रोक की मांग : फिल्म रिलीज को तैयार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान की याचिका पर काला हिरण- द बैटल फॉर लिगेसी फिल्म को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई जारी है। सलमान ने अपनी पहचान और 1998 के काले हिरण मामले के इस्तेमाल का आरोप लगाकर फिल्म की रिलीज और प्रचार पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान, फिल्म निर्माताओं ने अदालत को बताया कि फिल्म अभी रिलीज के लिए तैयार नहीं है और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणित होना बाकी है। सलमान का आरोप है कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े तथ्यों और विवादों का अनधिकृत इस्तेमाल किया जा रहा है। फिल्म के पोस्टर और टीजर में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है जो उनसे काफी मिलता-जुलता है, यहाँ तक कि उनके प्रसिद्ध ब्रेसलेट का इस्तेमाल हुआ है। सलमान का कहना है कि यह उनकी पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन है और इससे उनकी छवि को नुकसान होता है। वहीं, फिल्म के निर्माता और निर्देशक इन आरोपों को खारिज कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- पति पर रेप का केस कैसे चलाया जा सकता है?

वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर तीन हफ्ते बाद अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
वैवाहिक बलात्कार (मैरिटल रेप) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही संवैधानिक चुनौती पर बुधवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की अंतिम सुनवाई तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब कानून में वैवाहिक बलात्कार का अपवाद मौजूद है, तो पत्नी के साथ बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ अभियोजन किस आधार पर चलाया जा सकता है।
पीठ ने पूछा कि जब तक वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट फैसला नहीं कर देता, तब तक पत्नी से बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ मुकदमा कैसे चल सकता है? जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने भी इसी पहलू पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि आईपीसी की धारा 375 में स्पष्ट रूप से वैवाहिक बलात्कार का अपवाद था, तो उसकी संवैधानिक वैधता पर फैसला होने तक अभियोजन की अनुमति दी जा सकती है या नहीं।

पीड़ितों की सुरक्षा पर भी कोर्ट का जोर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, लेकिन मौजूदा कानूनी प्रावधानों के रहते अभियोजन के अधिकार का सवाल भी महत्वपूर्ण है। यह मामला कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि वैवाहिक बलात्कार के मामले में पति को कानून के तहत पूर्ण छूट हासिल नहीं है। हाईकोर्ट ने पत्नी की इच्छा के खिलाफ यौन संबंध बनाने पर पति के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

बीएनएस में भी वैवाहिक बलात्कार का अपवाद

मामला मूल रूप से आईपीसी की धारा 375 के अपवाद-2 से जुड़ा है। अब आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 लागू है। बीएनएस में भी 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की पत्नी के साथ पति के यौन संबंध को लेकर समान अपवाद मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि अंतिम सुनवाई में दो प्रमुख सवालों पर विचार होगा। पहला, यदि वैवाहिक बलात्कार का अपवाद बरकरार रहता है तो क्या पति के खिलाफ अभियोजन जारी रखा जा सकता है। दूसरा, क्या यह अपवाद संविधान की कसौटी पर कायम रह सकता है।

केंद्र ने अपराध बनाने का किया था विरोध

केंद्र सरकार ने 2024 में दाखिल हलफनामे में वैवाहिक बलात्कार को अपराध बनाने का विरोध किया था। केंद्र का कहना था कि विवाहित महिलाओं को यौन हिंसा से बचाने के लिए मौजूदा कानूनों में पर्याप्त वैकल्पिक उपाय मौजूद हैं। सरकार के अनुसार विवाह संस्था के भीतर बलात्कार का अपराध लागू करना अत्यधिक कठोर और असंगत हो सकता है तथा यह मुख्य रूप से सामाजिक और विधायी नीति का विषय है।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता मानहानि मामले में तलब, बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने मांगा हर्जाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया द्वारा दायर 2 करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को अदालत तलब किया है। अदालत ने सीजेपी को समन जारी किया है। यह मामला भाटिया के खिलाफ आपत्तिजनक और बिना सत्यापन के पोस्ट करने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका द्वारा भाटिया के बारे में बिना सत्यापन के किए पोस्ट अनुचित थे। अदालत ने उन्हें ये पोस्ट स्वयं हटाने का सुझाव दिया था, जिसके बाद उनके वकीलों ने कुछ पोस्ट हटाने की पुष्टि की और अन्य को भी हटाने का आश्वासन दिया। वहीं, दीपके ने अपना बचाव कर कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ नहीं लिखा था। मामले की सुनवाई के दौरान भाटिया ने मध्यस्थता के लिए अदालत की पेशकश को अस्वीकार कर अपनी प्रतिष्ठा को पहुंची क्षति के लिए हर्जाना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीजेपी नेताओं के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं और उनके पोस्ट एक दिन में 10 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचते हैं, जिससे हुई क्षति गंभीर है। बीजेपी प्रवक्ता भाटिया की मांग पर अदालत ने सभी आपत्तिजनक पोस्ट को 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया और एक्स तथा मेटा को निर्देश दिया कि भविष्य में ये पोस्ट प्लेटफॉर्म पर फिर न दिखें। इसके साथ ही अदालत ने सीजेपी और उसके नेताओं को समन जारी किया। अदालत ने सीजेपी नेताओं को सलाह दी कि वे कुछ भी साझा करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें। न्यायालय ने कहा कि विरोध करने के कई वैध तरीके हैं और युवाओं को इस हद तक जाने की आवश्यकता नहीं है।

प्रियंका गांधी का नाम और आवाज इस्तेमाल कर लोगों को ठगने की कोशिश

-कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट, लोगों से की ऐसे फर्जी निवेश से बचने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
सांसद प्रियंका गांधी के नाम और उनकी आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को स्कैम अलर्ट जारी किया। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने को कहा जा रहा है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था। उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है। आजकल साइबर ठग लोगों का भरोसा जीतने के लिए रोज नए-नए तरीके निकाल रहे हैं। बड़े नेताओं और जानी-मानी हस्तियों की एआई से आवाज और वीडियो बनाकर लोगों को भरोसे में लिया जा रहा है और लाखों-करोड़ों की ठगी की जा रही है।
एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर कोई वीडियो आपको बहुत ज्यादा मुनाफे का लालच दे रहा है, तो सतर्क हो जाएं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी सच्चाई की जांच जरूर करें। सरकार या किसी नेता की तरफ से ऐसी कोई योजना आती है तो उसकी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर देखें।

मुंबई-गोवा हाईवे में देरी पर गडकरी बोले- उद्घाटन में नहीं जाऊंगा

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

पणजी, एजेंसी।
मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण में हो रही देरी पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी को लेकर उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। गडकरी ने यह भी कहा कि हाईवे का काम पूरा होने के बाद होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में वह शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी और खराब गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और लापरवाही करने वाले अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं।
गडकरी ने बुधवार को पणजी के पास पोरवोरिम में छह लेन वाले एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के उद्घाटन के बाद उन्होंने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वह अक्टूबर में मुंबई-गोवा हाईवे से होकर गोवा जाएंगे और रास्ते में खुद काम की स्थिति का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 8 सितंबर को अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई थी।
गडकरी के मुताबिक करीब 440 किलोमीटर लंबे मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण का 93-94 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके बावजूद कई हिस्सों में गड्ढे, जलभराव, मरम्मत और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। मई में खारपाड़ा टोल प्लाजा पर टोल वसूली भी शुरू हो गई थी, लेकिन परियोजना के कुछ हिस्सों में काम और सुधार जारी है। वर्ष 2021 में बंदरों के लिए बनाया गया एक ओवरपास भी ढह चुका है।

जमीन अधिग्रहण से लेकर ठेकेदारों की समस्या

मुंबई-गोवा हाईवे का चौड़ीकरण पहले 2016 तक पूरा किया जाना था, लेकिन जमीन अधिग्रहण, निर्माण पूर्व मंजूरियों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं के कारण परियोजना में लगातार देरी हुई। केंद्र सरकार ने 2024 में संसद में भी बताया था कि जमीन अधिग्रहण और कुछ ठेकेदारों की आर्थिक परेशानियों के कारण काम प्रभावित हुआ। गडकरी ने हाईवे के किनारे वैज्ञानिक तरीके से लैंडस्केपिंग करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों की मनमर्जी से पेड़

लगाने के बजाय विशेषज्ञों के अध्ययन के आधार पर फूल और पेड़ों की ऐसी प्रजातियां चुनी जानी चाहिए, जो अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर ऑक्सीजन छोड़ें। यह हाईवे मुंबई को कोंकण के रास्ते गोवा से जोड़ता है और पर्यटन व स्थानीय कारोबार के लिए महत्वपूर्ण है।

निशिकांत दुबे की मांग....राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर लगे रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के विदेश जाने पर तत्काल रोक लगाने और उनकी संसदीय सदस्यता समाप्त करने की मांग उठा दी है। उन्होंने अपनी मांग के समर्थन में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1955 में लिखे पत्र का हवाला दिया, जिसमें नेहरू ने कथित तौर पर कम्युनिस्ट विचारधारा को देशद्रोह के समान बताया था। झारखंड के देवघर से सांसद दुबे ने लिखा कि नेहरू के शब्दों के अनुसार, क्या राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म नहीं की जानी चाहिए और उनके विदेश जाने पर रोक नहीं लगनी चाहिए? सांसद दुबे ने नेहरू के हवाले से कहा कि कम्युनिस्ट विचारधारा का मतलब है देशद्रोह, विदेश में जाकर चुनी हुई सरकार के खिलाफ बोलना देशद्रोह है। उन्होंने बताया कि नेहरू ने मशहूर इतिहासकार इरफान हबीब को कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़ा होने के कारण स्कॉलरशिप देने से इंकार किया था। सांसद दुबे ने आरोप लगाया कि विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ बोलना और परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करना देशद्रोह हैं, उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर रोक लगाना पूरी तरह से संवैधानिक होगा। सांसद दुबे ने सवाल किया कि नेहरू द्वारा स्थापित यह मिसाल राहुल गांधी पर क्यों लागू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हम नेहरू के पत्र को आधार माना जाएं, जिसमें यह स्थापित किया गया था कि विदेश में देश के खिलाफ बोलने वाला कोई भी व्यक्ति राष्ट्र-विरोधी है, और कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले विशेष रूप से खतरनाक राष्ट्र-विरोधी हैं, तब उस आधार पर राहुल गांधी को विदेश जाने से क्यों नहीं रोका जाना चाहिए और उनकी संसदीय सदस्यता क्यों नहीं खत्म की जानी चाहिए?

भारत की चुनाव व्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया:मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन में 'भारत में चुनाव कराना- विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र' विषय पर विशेष व्याख्यान एवं प्रबुद्ध नागरिकों के साथ संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारत की विशाल चुनाव प्रक्रिया और उसके विभिन्न चरणों की जानकारी साझा की। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि संविधान, चुनाव कानून और भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत देश में चुनाव प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित की जाती है। करीब 90 करोड़ मतदाताओं वाले भारत में लोकसभा चुनाव दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया है, जिसमें लगभग 1.8 करोड़ कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के तीन प्रमुख चरण मतदाता सूची तैयार करना, मतदान और मतगणना हैं। करीब 12 लाख बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करते हैं, ताकि हर पात्र नागरिक का नाम शामिल हो और अपात्र नाम हटाए जा सकें। मुख्य चुनाव आयुक्त ने ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईवीएम इंटरनेट, वाई-फाई या ब्लूटूथ से जुड़ी नहीं होती। मतदान से पहले उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में मॉक पोल किया जाता है। मतदान के बाद फॉर्म-17सी में कुल मतों का रिकॉर्ड दर्ज कर ईवीएम को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सील किया जाता है। मतगणना के दौरान भी काउंटिंग एजेंटों की मौजूदगी में परिणामों का सत्यापन किया जाता है। उन्होंने चुनाव प्रबंधन में तकनीक के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए ईसीआई नेट जैसे एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी दी। साथ ही युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता के रूप में पंजीकरण कर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, वारकुंड, नानी दमन - 396210

सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, दमन में शॉर्ट-टर्म कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर निम्नलिखित पद भरे जाने हैं: -

1. ०१- सहायक प्रोफेसर बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग

https://ddd.gov.in/
www.govtenggcollegedaman.org.in

No.1.2-EST-GEC/Volume-III/2026-27/495 dated:09/09/2026

शुरू होने की तारीखः 10/09/2026
समाप्त होने की तारीखः 09/10/2026

No: IP/DMN/2/5/2026-27/483 dtd:-10/9/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 03/10/2026

CNR-UTDD02-0006032026
C. M. A. No. 334/2026

Jagdishchandra Bica Bariya & 1 Anr ..... Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 309/1995, dated: 20/08/1995.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 08/09/2026

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 01/10/2026

CNR-UTDD02-0005952026
C. M. A. No. 332/2026

Kamlesh Natvar & 1 Anr ..... Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 529/2018, dated: 20/08/2018.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 08/09/2026

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 05/10/2026

CNR-UTDD02-0006102026
C. M. A. No. 340/2026

Nanji Bagoane & 1 Anr ..... Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 131/2000, dated: 02/06/2000.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 08/09/2026

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

■ प्रधानमंत्री ने कहा अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

■ मोदी ने कहा- हमारे विकल्प स्पष्ट होने चाहिए, टकराव की जगह सहयोग, अल्पकालिक लाभ की जगह संवहनीयता और निष्कर्षण की जगह समावेशन

■ हम अंतरराष्ट्रीय विधि व्यवस्था, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित सुरक्षित, शांतिपूर्ण और संधारणीय अंतरिक्ष क्षेत्र का समर्थन करते हैं

पीआईबी दिल्ली, 10 सितंबर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा फ्रांस के पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को समयोचित पहल करने और उनके सौहार्दपूर्ण निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने इस ऐतिहासिक सम्मेलन में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रथम अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ब्रह्मांड के प्रति मानवता के अटूट आकर्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरिक्ष ने सदियों से मानव कल्पना को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि यह सीमा अब पृथ्वी पर जलवायु और फसलों से लेकर महासागरों और समुदायों तक के दैनिक जीवन को संचालित करती है। श्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम हैं और इसके प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। श्री मोदी ने ब्रह्मांड की बढ़ती जटिलता का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रहों की कक्षाओं में अब भीड़भाड़ बढती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी विकसित होने के साथ ही इसमें अधिक संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बल देकर कहा कि वैश्विक साझेदारियों में अल्पकालिक लाभों के बजाय दीर्घकालिक संवहनीयता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि हमारे विकल्प स्पष्ट होने चाहिएः टकराव के स्थान पर सहयोग, अल्पकालिक लाभ के स्थान पर संवहनीयता और निष्कर्षण के स्थान पर समावेशन अपनाया जाना चाहिए।

अंतरिक्ष के प्रति भारत का दार्शनिक दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर आधारित है, जिसका अर्थ एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है। उन्होंने एकता की इस भावना को पृथ्वी से परे एक सुरक्षित अंतरिक्ष क्षेत्र सुनिश्चित करने का पक्ष रखा। श्री मोदी ने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय विधि व्यवस्था, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित सुरक्षित, शांतिपूर्ण और संधारणीय अंतरिक्ष क्षेत्र का समर्थन करते हैं।

प्रधानमंत्री ने पारदर्शी अनुसंधान के महत्व का उल्लेख करते हुए इस बात पर बल दिया कि भारत की वैश्विक यात्रा सार्वभौमिक कल्याण के दर्शन को पूर्णतया प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि सूचना का नैतिक साझाकरण यवैश्विक प्रगति के लिए सर्वोपरि

है। श्री मोदी ने कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों का उपयोग पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के साथ जनहित में होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख करते हुए मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और नौवहन में उपग्रह प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक लाभों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन उन्नत क्षमताओं से किसानों और मछुआरों सहित आम लोग सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि इस यात्रा के केंद्र में स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो ने उत्कृष्टता और लागत प्रभावी मिशनों से वैश्विक सराहनाएं अर्जित की हैं।

प्रधानमंत्री ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रक्षेपण सेवाओं में भारत की विस्तृत भागीदारी का विवरण देते हुए घरेलू रॉकेटों द्वारा 34 देशों के 430 से अधिक पेलोड सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने का उल्लेख किया। उन्होंने इन सहयोगात्मक वैज्ञानिक प्रयासों की व्यापक वैश्विक उपयोगिता पर बल देते हुए कहा कि इसरो की प्रौद्योगिकियां और साझेदारियां न केवल भारत, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही हैं।

इस संस्थागत सफलता का श्रेय देश के मानव संसाधन के अथक प्रयास को देते हुए प्रधानमंत्री ने भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों की पीढ़ियों के समर्पण और कड़ी मेहनत के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट किया। उन्होंने कहा कि उनके ही अथक प्रयासों से अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों के बीच इसरो को गौरवपूर्ण स्थान मिला है। श्री मोदी ने कहा कि दिन-रात काम करते हुए उन्होंने हर मिशन और हर सफलता के साथ इसरो की वैश्विक प्रतिष्ठा बढाई है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में हासिल महत्वपूर्ण उपलब्धियों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि आदित्य-एल1 अभी सूर्य के रहस्यों को उजागर कर रहा है, जबकि भारत का एक अंतरिक्ष यात्री पिछले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा था। ऐतिहासिक चंद्र लैंडिंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस अभियान ने एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया। श्री मोदी ने कहा कि चंद्रयान-3 अभियान से भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतरने वाला पहला देश बना।

अंतरिक्ष में भारत की महत्वाकांक्षी भविष्योन्मुखी लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए, प्रधानमंत्री ने 2035 तक स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक एक अंतरिक्ष यात्री को चंद्रमा पर भेजने की योजनाओं की घोषणा की। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि इन प्रयासों में हमारा स्पष्ट मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है और इन दीर्घकालिक प्रयासों का एक ही व्यापक उद्देश्य है कि इनका लाभ समस्त मानवता तक पहुंचना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र में घरेलू वाणिज्यिक पारितंत्र तेजी से विकसित होने का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र भी संस्थागत एजेंसियों के साथ ही तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने उभरते स्टार्टअप और स्थापित संगठनों के बीच गतिशील तालमेल की सराहना की। श्री मोदी ने कहा कि उद्यमशीलता की ऊर्जा अब इसरो की उत्कृष्टता के साथ जुड़ रही है।

प्रधानमंत्री ने फ्रांस के साथ दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों के महत्व पर कहा कि 1960 के दशक में थुम्बा में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के आरंभ से ही फ्रांस अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक विश्वसनीय सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की वर्तमान संयुक्त पहल में उच्च स्तरीय अनुसंधान से ठोस सामाजिक लाभ प्राप्ति का लक्ष्य रखा गया है। श्री मोदी ने कहा कि आज दोनों देशों का सहयोग पृथ्वी अवलोकन और उन्नत प्रौद्योगिकियों तक व्याप्त है, जो वैज्ञानिक उत्कृष्टता को मानवीय उद्देश्यों के साथ जोड़ता है।

प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों को खुला निमंत्रण देते हुए भारत की आगामी अंतरिक्ष अन्वेषण अभियानों में वैश्विक समुदाय से भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने ब्रह्मांड की खोज के अगले चरण में पूरी दुनिया के भागीदारों को अग्रणी भूमिका निभाने के लिए साथ मिलकर काम करने का स्वागत किया। श्री मोदी ने कहा कि हम फ्रांस और दुनिया को भारत की अंतरिक्ष यात्रा में सहयात्री बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।

अपने वीडियो संबोधन के समापन में प्रधानमंत्री ने सम्मेलन के सभी विशिष्ट प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहयोगात्मक अन्वेषण और नवाचार द्वारा खगोलीय पर्यावरण की रक्षा करने का आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा कि पेरिस में आयोजित अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन एक स्पष्ट संदेश देः हम सब मिलकर समस्त मानवता और आगामी पीढ़ियों के लिए अंतरिक्ष अन्वेषण करेंगे, मिलकर नवाचार करेंगे और अंतरिक्ष की रक्षा करेंगे।

सिलवासा के शालीमार इंडस्ट्रियल एस्टेट में प्लास्टिक वेस्ट जलाए जाने से नागरिकों को हो रही परेशानी, कार्रवाई की उठाई मांग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 10 सितम्बर। सिलवासा रिंग रोड स्थित दयात फलिया रोड के शालीमार इंडस्ट्रियल एस्टेट में प्लास्टिक वेस्ट जलाए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि एम. के. इंडस्ट्रीज द्वारा प्लास्टिक का वेस्ट जलाया जाता है, जिसके कारण आसपास के क्षेत्र में काला धुआँ फैल जाता है और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्लास्टिक जलने से निकलने वाला धुआँ पूरे इलाके में फैल जाता है, जिससे वातावरण प्रदूषित होने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना कथित तौर पर रोजाना होती है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। निवासियों ने संबंधित नगरपालिका और प्रदूषण नियंत्रण विभाग से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्र में नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, ताकि आसपास रहने वाले लोगों को प्रदूषण से राहत मिल सके। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग से इस पर कार्रवाई करने की मांग की है।

माई भारत दमण ने युवाओं से वीबीवाईएलडी क्विज़ 2027 में भाग लेने की अपील की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 10 सितंबर। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अधीन स्थित माय भारत केंद्र दमण ने दमण जिले के युवाओं से माय भारत पोर्टल के माध्यम से आयोजित किए जा रहे विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) 2027 क्विज़ में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। वीबीवाईएलडी एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने विचारों, दृष्टिकोणों और आकांक्षाओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। यह पहल युवाओं की भागीदारी, नेतृत्व और नवाचार को प्रोत्साहित करने और युवाओं को राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में योगदान करने के अवसर प्रदान करने का प्रयास करती है।

इस अवसर पर माय भारत दमण जिला युवा अधिकारी सृष्टि शर्मा ने बोलते हुए जिले भर के योग्य युवाओं से वीबीवाईएलडी क्विज 2027 में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह क्विज केवल ज्ञान आधारित प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि एक व्यापक प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण पहला कदम भी है जिसके माध्यम से युवा भारत के विकास से संबंधित मुद्दों से जुड़ सकते हैं और भविष्य के लिए अपने विचार और दृष्टिकोण साझा कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि वीबीवाईएलडी के विभिन्न चरणों के माध्यम से चयनित प्रतिभागियों को राष्ट्र विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर, चयनित युवा नेताओं को भारत के माननीय प्रधानमंत्री के समक्ष अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर भी मिलेगा। दमण के जिला युवा अधिकारी ने जिले के युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों, माय भारत स्वयंसेवकों, युवा क्लबों और अन्य हितधारकों से इस पहल में सक्रिय रूप से सहयोग और भागीदारी को बढ़ावा देने का आह्वान किया ताकि दमण भर के पात्र युवाओं को इस अवसर के बारे में पता चले और उन्हें इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत @2047 के विजन को हासिल करने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है, क्योंकि युवा भारतीयों की आकांक्षाएं, रचनात्मकता, ज्ञान और नवोन्मेषी विचार देश के विकास पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। माय भारत दमण ने सभी पात्र युवाओं से माय भारत पोर्टल के माध्यम से वीबीवाईएलडी क्विज 2027 में भाग लेने और अपने दोस्तों, सहपाठियों और साथी युवाओं को इस पहल में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया है। माय भारत दमण युवाओं की भागीदारी, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के अवसरों को मजबूत करने और युवाओं को 2047 में विकसित भारत की परिकल्पना में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वलसाड जिले में असंगठित क्षेत्र के कामगारों को विभिन्न योजनाओं पर दिया गया मार्गदर्शन

■ कामगारों को ई-श्रम कार्ड, अंतिम संस्कार सहायता योजना और गुजरात ग्रुप एक्सीडेंट इंश्योरेंस योजना के बारे में बताया गया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वलसाड, 10 सितंबर। वलसाड जिले के उमरसाडी स्थित माछीवाड़ के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर हॉल में 10 सितंबर को सुबह 11.00 बजे सरकार की विभिन्न योजनाओं पर गाइडेंस देने के लिए कार्यक्रम रखा गया। यह कार्यक्रम का उद्देश्य तहत असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए ई-श्रम कार्ड बनाने और गुजरात श्रमयोगी कल्याण बोर्ड की अलग-अलग योजनाओं के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाना रहा। इस कार्यक्रम में सरकारी लेबर ऑफिसर एन. बी. परमार, असिस्टेंट सरकारी लेबर ऑफिसर एम.ए. पटेल और के.आर. अलगोतर और सेंटर मैनेजर आर. के. पटेल मौजूद थे। इस प्रोग्राम में मौजूद लोगों ने असंगठित कामगारों को ई-श्रम कार्ड के लाभों और गुजरात श्रमयोगी वेलफेयर बोर्ड की स्कीमों जैसे फ्यूनरल असिस्टेंस स्कीम और गुजरात जूठ (जनता) एक्सीडेंट इंश्योरेंस स्कीम के बारे में बताया ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इनका फायदा उठा सकें। इन स्कीमों का फायदा उठाने के लिए जरूरी सबूतों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस प्रोग्राम में मौजूद सभी असंगठित कामगारों को ई-श्रम कार्ड के रजिस्ट्रेशन और बोर्ड की स्कीमों से जुड़े पैम्फलेट बांटे गए। साथ ही, उन्हें बताया गया कि कोई भी असंगठित कामगार जो इन स्कीमों का लाभ उठाना चाहता है, वह असिस्टेंट लेबर कमिश्नर वलसाड के ऑफिस और तालुका के असिस्टेंट गवर्नमेंट लेबर ऑफिसर के ऑफिस और ग्राम श्रमयोगी वेलफेयर बोर्ड के तहत सेंटर मैनेजर, सीएससी सेंटर या वीएलइ लेवल से जरूरी जानकारी ले सकता है और सभी को बताया गया कि वे सम्मान पोर्टल पर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं।

दीव में गणेश उत्सव के दौरान निर्धारित स्थलों पर ही होगा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 10 सितंबर। दीव प्रशासन द्वारा आगामी गणेश चतुर्थी/गणेश उत्सव के मद्देनजर जिले में प्रतिमा विसर्जन के लिए निर्धारित स्थलों की पहचान की गई है। गणेश उत्सव का आयोजन 14 सितंबर 2026 से 25 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों तथा समुद्र तटों को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने नागरिकों से निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। प्रशासन द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल पाँच स्थानों को गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए निर्धारित किया गया है। शहरी क्षेत्र के निर्धारित विसर्जन स्थलों में दीव नगरपालिका के सामने, तटीय पुलिस जेटी (डीएमसी गार्डन के पीछे) दीव के लिए, फिशरमैन शेड के सामने, केवल बाईं ओर, बंडोडकर कॉलोनी की ओर (जॉगिंग ट्रैक प्रवेश द्वार के पास) घोघला के लिए निर्धारित किया गया है। जबकि, ग्रामीण क्षेत्र के निर्धारित विसर्जन स्थलों में गोमतीमाता बीच के पास अंतिम जेटी, वणाकबारा/साउदवाड़ी के लिए, नागवा बीच, दीव हवाई अड्डे के सामने-नागवा के लिए और ताड़ चेक पोस्ट जेटी एवं पावटी जेटी - बुचरवाड़ा/झोलावाड़ी के लिए निर्धारित किये गये है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित स्थलों के अलावा किसी अन्य स्थान पर गणेश प्रतिमा का विसर्जन नहीं किया जाएगा। प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार केवल पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाओं, जैसे प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं अथवा पर्यावरण-अनुकूल खाद्य पदार्थों से निर्मित/सुसज्जित प्रतिमाओं को ही विसर्जन की अनुमति होगी। प्रतिमाओं को सजाने के लिए हल्दी, चंदन, गेरू आदि प्राकृतिक एवं जैव-अवक्रमणीय रंगों के प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया है। प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से निर्मित प्रतिमाओं के विसर्जन की अनुमति नहीं होगी। पूजा सामग्री, फूल, वस्त्र एवं सजावटी सामग्री को विसर्जन से पहले अलग कर निर्धारित पात्रों में रखना अनिवार्य होगा। प्लास्टिक, थर्माकोल तथा अन्य गैर-जैव-अवक्रमणीय सामग्री को विसर्जन स्थल पर ले जाने/विसर्जित करने की अनुमति नहीं होगी। गणेश प्रतिमा की अधिकतम ऊंचाई 5 फीट निर्धारित की गई है। दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित नियमों एवं विनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा एवं स्वच्छता के लिए व्यापक प्रबंधः गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा निर्धारित स्थलों पर यातायात एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विसर्जन स्थलों पर निगरानी भी रखी जाएगी। दीव नगरपालिका एवं जिला पंचायत द्वारा संबंधित क्षेत्रों में स्वच्छता, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, संकेतक बोर्ड, पर्याप्त स्वयंसेवकों तथा प्रकाश व्यवस्था की व्यवस्था की जाएगी। मत्स्य विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थानीय मछुआरों में से प्रशिक्षित तैराकों को नावों एवं पर्याप्त लाइफ जैकेट के साथ विसर्जन स्थलों पर तैनात किया जाएगा, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और विसर्जन प्रक्रिया के दौरान लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग द्वारा आवश्यक अग्निशमन उपकरणों के साथ कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, सरकारी अस्पताल, दीव द्वारा 108 एम्बुलेंस सहित अन्य एम्बुलेंस एवं आवश्यक चिकित्सा दल को तैयार रखा जाएगा तथा प्रमुख स्थानों पर आपातकालीन संपर्क नंबर प्रदर्शित किए जाएंगे। पर्यटन विभाग को ब्लू फ्लैग बीच क्षेत्र की स्वच्छता एवं कचरे के उचित निस्तारण की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन ने विशेष रूप से निर्देश दिया है कि ब्लू फ्लैग बीच क्षेत्र में गणेश प्रतिमा विसर्जन की अनुमति नहीं होगी। दीव प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों एवं गणेश उत्सव समितियों से अपील की है कि वे पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित विसर्जन स्थलों और सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएं।

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर, गुड़गाँव,
हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing
Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना
(कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में)

सार्वजनिक नोटिस :ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2026-27/1231 दिनांक: - 01/09/2026

संदर्भः
1.कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित *(1)* कम्पनियों का नाम **दमन और दीव** राज्य से हटाने के मामले में:

S.NO	Work Item	CIN	Company Hindi Name
1	AC5370164	U55101DD2025PTC010097	लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है ।
3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है
4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं ।

इरकन तिर्की
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0549/2627

हालिया टकराव के बाद ईरान और खाड़ी देशों का ब्रिक्स में होगा आमना-सामना, अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से दुनिया को यह संदेश देते रहे हैं कि 'यह युद्ध का युग नहीं है।' अब यही संदेश उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी कसौटी बन गया है। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, दूसरी ओर पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने खाड़ी देशों को भी सीधे संकट में डाल दिया है। ऐसे समय में दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी बनने जा रहा है। ब्रिक्स में रूस, चीन, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे परस्पर विरोधी हितों वाले देश एक साथ मौजूद होंगे।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए। भारत और रूस के दशकों पुराने मजबूत रिश्तों के बीच मोदी का यह संदेश काफी महत्वपूर्ण है। अब ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी के पास एक और मौका होगा कि वह रूस के साथ अपनी दोस्ती कायम रखते हुए पुतिन को बातचीत और शांति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

हम आपको यह भी बता दें कि इस दिशा में भारत केवल रूस से बात नहीं कर रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर हाल में कीव गए और यूक्रेनी नेतृत्व के साथ बातचीत की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और युद्ध को समाप्त करने में उपयोगी विचारों पर काम करने के लिए तैयार है। यानी मोदी सरकार की रणनीति किसी एक पक्ष को चुनने की नहीं, बल्कि दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखकर शांति की गुंजाइश बचाए रखने की है।

वहीं पश्चिम एशिया में यही नीति और भी कठिन है। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के क्रम में बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और दूसरे देशों को भी अपनी सैन्य कार्रवाई के दायरे में ला दिया। ईरान का तर्क था कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है, लेकिन मिसाइल और ड्रोन उन देशों की संप्रभु सीमाओं के भीतर पहुंचे जहां ये ठिकाने मौजूद हैं। जुलाई में भी ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कार्रवाई जारी रखी।

यहीं मोदी की कूटनीति की असली परीक्षा सामने आती है। युद्ध के बीच उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बातचीत की थी और साफ कहा था कि भारत सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति से चाहता है। साथ ही उन्होंने ऊर्जा और व्यापार के निर्बाध आवागमन तथा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को भारत की प्राथमिकता बताया। दूसरी ओर उन्होंने यूएई, बहरीन, सऊदी अरब और कतर के नेताओं से अलग-अलग बातचीत कर उनके खिलाफ हुए हमलों की निंदा भी की थी। बहरीन के मामले में प्रधानमंत्री ने सीधे कहा था कि भारत हमलों की निंदा करता है और वहां के लोगों के साथ खड़ा है; सऊदी अरब और यूएई के संदर्भ में भी उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन को गंभीरता से लिया था।

यही संतुलन मोदी की विदेश नीति की ताकत है। ईरान से संबंध भी चाहिए और खाड़ी अरब देशों का भरोसा भी; रूस से रणनीतिक साझेदारी भी बचानी है और पश्चिम से आर्थिक-तकनीकी रिश्ते भी मजबूत करने हैं। भारत के लिए यह केवल प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है। पश्चिम एशिया में करोड़ों भारतीयों के हित, ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इससे जुड़ी है। मोदी ने ईरान से बातचीत में भी इसी व्यावहारिक प्राथमिकता को सामने रखा है।

साथ ही इस पूरे समीकरण में चीन को अलग करके देखना भी संभव नहीं है। शी जिनपिंग की भारत यात्रा सात वर्ष बाद हो रही है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में सावधानी के साथ सुधार की कोशिश दिखाई दे रही है। सीमा पर तनाव कम करना, आर्थिक रिश्तों को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाना और प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद बनाए रखना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए जरूरी है। इसलिए दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन मोदी के लिए केवल शिखर सम्मेलन नहीं, बल्कि कूटनीतिक संतुलन का मंच है। एक ही मेज पर पुतिन, शी, पेजेश्कियान, सऊदी और यूएई नेतृत्व के बीच भारत यह दिखा सकता है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ किसी खेमे से दूरी नहीं, बल्कि सभी से अपने हितों के आधार पर संवाद करने की क्षमता है।

देखा जाये तो दुनिया आज अलग-अलग खेमों में बंटी हुई है। ऐसे समय में मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि भारत किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय सभी से संवाद बनाए रखता है। रूस से युद्ध खत्म करने की अपील हो, यूक्रेन से बातचीत, ईरान से संपर्क, खाड़ी देशों के साथ मजबूत रिश्ते, पश्चिम के साथ साझेदारी या चीन से संवाद, भारत हर मोर्चे पर अपने हितों को साधते हुए रिश्ते आगे बढ़ा रहा है। यही संतुलित कूटनीति भारत को इस उथल-पुथल भरी दुनिया में अपनी स्वतंत्र और मजबूत जगह बनाने में मदद कर रही है।

संपादकीय

एआई का स्याह सच

एआई के सूत्रधार रहे शोधकर्ता लगातार धारदार होती एआई को लेकर जो गंभीर चिंता जता रहे हैं, उसमें मानव सभ्यता के लिए आसन्न संकट की आहट सुनायी देती है। पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है।

दरअसल, एआई के क्षेत्र में जारी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार उन्नत सिस्टम बनाने को मजबूर कर रही है। उनकी आशंका है कि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो दूसरी कंपनी ऐसी पहल करके विश्व के एआई बाजार पर वर्चस्व बना लेगी। निश्चित रूप से यह अंधी होड़ एक दिन मानवता को एक भयावह तबाही के दरवाजे पर खड़ा कर सकती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज दुनिया में एआई के प्रयोग से चिकित्सा, विज्ञान और उत्पादन के क्षेत्र में आशातीत लाभ मिले हैं। लेकिन इसके बावजूद तकनीकी प्रगति को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जा सकता है कि उससे क्षमताएं कितनी बेहतर स्थिति में आ पहुंची हैं। एआई के क्षेत्र में की जा रही तरक्की के साथ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके साथ ही सुरक्षा और जवाबदेही भी उसी रफ्तार से आगे बढ़नी चाहिए। सही मायने में लगातार शोध-अनुसंधान के जरिये बड़े पैमाने पर उन्नत एआई क्षमताएं हासिल करने के गंभीर आक्षेप चिंता की बात है। यदि अमेरिका और चीन के बीच जारी गला-काट स्पर्धा शक्तिशाली एआई के विस्तार को तेज कर रही है और वहीं दूसरी ओर कंपनियां अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिये संघर्ष कर रही हैं तो इसके जोखिम कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक बढ़ जाते हैं। निश्चित रूप से ऐसी स्थिति में सरकारें इंसानियत के भविष्य से जुड़े फैसले टेक कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ सकती हैं।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शास्त्र एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रोतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निर्देशानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

दुबई में बजा 'मोहन' का डंका, एमपी में संभावनाएँ अपार, निवेश की बहार

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग का आगाज किया है। वार्षिक निवेश बैठक एआईएम कॉंग्रेस 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य को वैश्विक मंच पर एक सशक्त, भरोसेमंद और संभावनाओं से भरे औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया दुबई दौरा राज्य के आर्थिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्र दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत करते हुए निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा प्रयास किया। यह दौरा न केवल एमपी की छवि को नया रूप देने वाला रहा, बल्कि भविष्य में निवेश के लिहाज से और युवाओं को रोजगार के लिहाज से मध्यप्रदेश के लिए कई संभावनाओं के नए द्वार भी खोलेगा।

मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है।राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। दुबई के व्यापारिक समुदाय के साथ हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जहां टैक्स छूट, तेज मंजूरी प्रक्रिया और कुशल कार्यबल उपलब्ध है। दुबई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक निवेशकों और प्रमुख उद्योग समूहों के साथ वन टू वन बैठकों में लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 53,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगी। शराफ ग्रुप द्वारा रेल-साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 450 करोड़ रुऔर रिन्यूएबल एनर्जी व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर पूँजी निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई।वैश्विक लॉजिस्टिक्स दिग्गज डीपी वर्ड नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय चर्चा में पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स, कोल्ड-चेन और वेयरहाउसिंग सुविधाओं के साथ एक प्रमुख इनलैंड लॉजिस्टिक्स प्रवेश द्वार बनाने पर सहमति बनी। इससे प्रदेश के कृषि उत्पादों और एमएसएमई सेक्टर को खाड़ी देशों सहित वैश्विक बाजारों से सीधा जुड़ाव मिलेगा। , बीआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया।मोहन सरकार के मजबूत प्रयासों से राज्य में ओडीओपी उत्पादों की जबरदस्त ब्रांडिंग हो रही है। इन उत्पादों को ई-कॉमर्स और एक्सपोर्ट हब्स से भी जोड़ा जा रहा है। ताज दुबई में आयोजित विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से मध्यप्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीददारों के सामने प्रस्तुत किया गया। इससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए द्वार खुलेंगे। दुबई दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों और बैठकों में भाग लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, पर्यटन स्थलों और बुनियादी ढांचे के विकास की विस्तृत जानकारी दी। मध्य प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थलों जैसे खजुराहो, सांची और मांडू को दुबई के पर्यटकों के लिए प्रचारित किया गया।इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीतिगत सहूलियतों को रेखांकित किया गया। इसके अतिरिक्त, बिआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। दुबई दौरे में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई के प्रमुख निवेशकों से मुलाकात की, जिसमें रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अनेक संभावनाएं तलाशी गईं। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए कई प्रोजेक्ट्स ने दुबई के कारोबारियों को अपनी तरफ आकर्षित किया और निवेश का भरोसा दिलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। कुल मिलाकर, डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है।यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि राज्य की युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। आने वाले समय में इस दौरे के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, जब मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करेगा।दुबई का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में उनका एक निर्णायक कदम साबित हुआ है। डॉ.मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में एमपी अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उभरता हुआ निवेश केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश के निवेश अभियान को वैश्विक स्तर पर गति देने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का दुबई दौरा एमपी को देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

आतंकवाद बोया पाकिस्तान ने, अब सिंधु का पानी भी भूलना होगा

कांतिलाल मांडोत

भारत का सिंधु जल पर बढ़ता अधिकार पाकिस्तान के लिए उसके अपने किए की सजा...

पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता आया है। सीमा पार से आर्तकियों को प्रशिक्षण देना, उन्हें भारत में हिंसा फैलाने के लिए भेजना और आतंकी घटनाओं के बाद भी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना उसकी नीति का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर कार्रवाई की एक कीमत होती है और अब पाकिस्तान को अपने इसी रवैये की कीमत पानी के मोर्चे पर चुकानी पड़ रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो कठोर निर्णय लिया, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। लद्दाख में सिंधु नदी पर चेक डैम का निर्माण इसी बदलती तस्वीर का संकेत है।

लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर तैयार किया गया पहला रॉक चेक डैम केवल पानी रोकने वाली एक छोटी परियोजना नहीं है। यह बदलते भारत की सोच और उसकी जल नीति का प्रतीक है। जिस सिंधु नदी के पानी को लेकर भारत ने दशकों तक संधि की मयार्दाओं का पालन किया, उसी नदी के पानी का अपने लोगों के हित में बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में अब कदम बढ़ रहे हैं। उपशी में तैयार चेक डैम में पानी जमा होना और उसके माध्यम से आसपास के खेतों तक सिंचाई पहुंचने की संभावना लद्दाख जैसे दुर्गम और पानी की कमी वाले क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुरूआत भर है। लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और चेक डैम बनाने की तैयारी की जा रही है। इनमें लेह में सात हिमालयन रॉक चेक डैम और करगिल में 29 चेक डैम प्रस्तावित बताए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 56 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। यानी भारत अब सिंधु नदी को केवल सीमा पार बह जाने वाली नदी के रूप में देखने के बजाय अपने किसानों, अपने गांवों और अपने सीमावर्ती क्षेत्रों की जल जरूरतों से जोड़कर देख रहा है।

लद्दाख की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। खेती का मौसम सीमित है और बुवाई के समय पानी की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में चेक डैम जैसी छोटी लेकिन प्रभावी जल संरचनाएं स्थानीय स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकती हैं। प्राकृतिक चट्टानों से तैयार की गई ऐसी संरचनाएं पानी को रोकने, भूजल स्तर सुधारने और खेतों तक पानी पहुंचाने में उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाए जा रहे इन ढांचों से जल संरक्षण और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश भी दिखाई देती है।

पाकिस्तान के लिए परेशानी यहीं से शुरू होती है। दशकों से पाकिस्तान ने सिंधु नदी प्रणाली पर अपनी कृषि और जल व्यवस्था को खड़ा किया है। उसकी बड़ी आबादी की आजीविका खेती से जुड़ी है और सिंधु नदी तथा उसकी सहायक नदियां उसके लिए जीवनरेखा जैसी हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने और आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई करने के बजाय बार-बार वही रास्ता चुना, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को गहरा किया।

पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई ऐसा विषय नहीं है जिसे आतंकवाद से अलग करके देखा जा सकता है। जब एक देश लगातार दूसरे देश के नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों को रोकने में विफल रहता है, तो वह द्विपक्षीय संबंधों की बुनियादी जमीन को स्वयं कमजोर करता है। भारत ने वर्षों तक संधि का सम्मान किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को निभाया। लेकिन जब आतंकवाद लगातार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बनता रहा और पहलगाम जैसी घटना ने देश को झकझोर दिया, तब भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और सामान्य संबंध एक साथ नहीं चल सकते।

भारत का सिंधु जल संधि को स्थगित करना इसी व्यापक नीति का हिस्सा है। इसका संदेश साफ है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत के साथ सामान्य संबंध बनाए रखने की उम्मीद एक साथ नहीं की जा सकती। पाकिस्तान यदि भारत के खिलाफ आतंक का रास्ता चुनता है तो उसे उसके राजनीतिक, कूटनीतिक और रणनीतिक परिणामों के लिए भी तैयार रहना होगा।

अब लद्दाख में सिंधु नदी पर बन रहे चेक डैम पाकिस्तान के लिए एक और संदेश लेकर आए हैं। भारत केवल बयान नहीं दे रहा, बल्कि अपनी जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जमीन पर योजनाएं तैयार कर रहा है। आने वाले समय में यदि सिंधु नदी के पानी के बेहतर उपयोग की और योजनाएं बनती हैं तो पाकिस्तान के लिए यह समझना मुश्किल नहीं होगा कि पुराने दौर की परिस्थितियां वापस नहीं आने वालीं। पाकिस्तान की सरकार आज यदि अपने लोगों के सामने पानी की समस्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करती है तो यह आधा सच होगा। असली सवाल यह है कि पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में पहुंचाया किसने। भारत ने तो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। पहलगाम का आतंकी हमला किसने किया, आतंकियों को किस तरह का समर्थन मिलता रहा, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान ने कितनी ईमानदार कार्रवाई की और दोनों देशों के संबंधों को किसने लगातार खराब किया, इन सवालों से पाकिस्तान की सरकार और उसकी व्यवस्था बच नहीं सकती।

करोड़ों पाकिस्तानी नागरिकों के सामने पानी की चुनौती खड़ी होती है तो इसका दोष केवल भारत पर डाल देना आसान राजनीतिक रास्ता हो सकता है, लेकिन यह जनता को सच्चाई से दूर रखने जैसा होगा। पाकिस्तान की आवाम को यह सवाल अपनी सरकार से पूछना चाहिए कि भारत के साथ दुश्मनी और आतंकवाद की नीति ने देश को क्या दिया। आर्थिक संकट से जूझता पाकिस्तान पहले ही अनेक मोर्चों पर परेशान है। ऐसे में पानी जैसी मूलभूत जरूरत से जुड़ा संकट उसके लिए और गंभीर चुनौती बन सकता है।

भारत के लिए यह अवसर केवल पाकिस्तान पर दबाव बनाने का नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास का भी है। लद्दाख में जल संरक्षण की योजनाएं वहां के किसानों और स्थानीय आबादी के लिए राहत लेकर आ सकती हैं। सिंधु का पानी यदि स्थानीय जरूरतों के लिए संरक्षित किया जाता है तो इससे खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। सीमा से लगे क्षेत्रों में विकास अपने आप में राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। यह भी समझना जरूरी है कि पानी का इस्तेमाल केवल राजनीतिक हथियार के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधन के रूप में होना चाहिए। भारत को अंतरराष्ट्रीय दायित्वों और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए अपने जल संसाधनों का अधिकतम वैध और वैज्ञानिक उपयोग करना चाहिए। सिंधु नदी पर चेक डैम जैसी परियोजनाएं इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम बन सकती हैं।

पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद के सहारे भारत को दबाव में लाने का दौर समाप्त हो चुका है। भारत न तो आतंकवादी हमलों को सामान्य घटना मानने के लिए तैयार है और न ही अपनी सुरक्षा तथा संसाधनों के सवाल पर पुरानी मानसिकता में रहने वाला है। यदि पाकिस्तान को अपने लोगों के लिए पानी चाहिए तो सबसे पहले उसे भारत के खिलाफ आतंकवाद की नीति पर पुनर्विचार करना होगा।

सिंधु नदी सदियों से बह रही है और आगे भी बहती रहेगी। लेकिन उसके पानी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जो व्यवस्था बनी थी, वह आपसी विश्वास और शांतिपूर्ण संबंधों की भावना पर टिकी थी। जब विश्वास ही लगातार तोड़ा गया तो उस व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक था। पहलगाम के बाद भारत ने इसी संदेश को स्पष्ट किया है।

अब पाकिस्तान के लिए बेहतर यही होगा कि वह सिंधु जल को लेकर भारत को कोसने के बजाय अपने गिरेबान में झांके। जिस आतंकवाद को उसने वर्षों तक भारत के खिलाफ नीति का हिस्सा बनाए रखा, उसी ने आज उसके सामने अनेक संकट खड़े कर दिए हैं। भारत ने अपने पानी को बचाने और उसका अपने लोगों के हित में उपयोग करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उपशी का चेक डैम इसी बदलते युग की पहली झलक है।

असली आज़ादी

शुक्रवार, 11 सितंबर 2026, दमण। 5

संक्षिप्त समाचार

आपदा में मकान, सड़कें और पुल बह गए, भारत-चीन कर रहे मदद; बेली ब्रिज भेजे गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित इलाकों में पुलों और सड़कों को फिर से बनाने की कोशिश में जुटा है, और भारत और चीन से मदद मांगी है। पड़ोसी देशों ने अस्थायी पुल मुहैया कराने के नेपाल के आग्रह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। आपदा में उत्तरी और मध्य नेपाल में मकान, वाहन, सड़कें और पुल बह गए थे। रसुवा और चितवन के बीच 63 पुल में 41 पुल नष्ट हो गए और चार अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। काठमांडो पोस्ट की खबर के अनुसार, चीन मुस्तांग में कोरला सीमा चौकी पर दो बेली ब्रिज पहले ही भेज चुका है। भारत ने भी नेपाल को बेली ब्रिज उपलब्ध कराने की पेशकश की है। काठमांडो के एक बौद्ध मठ में बने राहत शिविर में इन दिनों 520 ऐसे बेघर लोगों ने शरण ले रखी है जिन्होंने अपना सब कुछ गंवा दिया है। शिविर में एक कोने में बैठे 12 वर्ष के मासूम त्सेरिंग की आंखें लगातार दरवाजे पर टिकी हैं। उसे भरोसा है कि उसके माता-पिता जल्द लौट आएंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। नेपाल में जल प्रलय के बाद अब उत्तर-पश्चिमी हिस्से में मंगलवार रात 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमानथांग में था। इससे कोई हताहत नहीं है।

अमेरिका-कनाडा व्यापार युद्ध: ट्रंप के टैरिफ का कनाडा ने दिया जवाब; स्टील समेत क्या सामान महंगे होंगे

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका-कनाडा के बीच ट्रेड वार अब चरम पर पहुंच चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के रिश्ते तल्ख होने के बीच कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लागू कर दिया है। कनाडाई सरकार ने कहा कि जवाबी टैरिफ 22 अगस्त से 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले के जवाब में उठाए गए हैं। जवाबी टैरिफ से स्टील, एल्युमीनियम, डेयरी उत्पाद (जैसे पनीर), घरेलू और कृषि उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पल्प-पेपर जैसे प्रमुख अमेरिकी उद्योग प्रभावित होंगे। पिछले माह वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच महीनों चली व्यापार वार्ता अचानक टूट गई। कनाडा ने आरोप लगाया कि अमेरिकी वार्ताकारों ने अंतिम समय में अनुचित शर्तें थोप दी थीं। ट्रंप ने कनाडा की करेंसी और अमेरिका के साथ उसके मुद्रा असंतुलन को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और ज्यादा गहरा गया है।

ट्रंप ने पुतिन को मिलाया फोन: यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई बात, यूरोप को लेकर क्या बोले रूसी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और कहा कि वह यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द खत्म करना चाहते हैं। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन पुतिन ने ट्रंप के इस रुख का समर्थन किया। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि युद्ध समाप्त होने से अमेरिका और रूस के संबंध पूरी तरह सामान्य करने की राह खुलेगी। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन और ट्रंप के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। यह बातचीत अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की हालिया मास्को और कीव की यात्रा के बाद हुई। दोनों दूत युद्ध खत्म के लिए रुकी हुई बातचीत को फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की कोशिशों को सकारात्मक माना। पुतिन ने ट्रंप को बताया कि युद्ध खत्म करने में अमेरिका क्या भूमिका निभा सकता है और उन्हें मौजूदा युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी भी दी। उशाकोव के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि उनके मौजूदा कार्यकाल में ही युद्ध खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता मिले। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने से दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी बड़ा फायदा होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की यूरोप के खिलाफ कोई आक्रामक मंशा नहीं है। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस से खतरे की बातें यूरोपीय देशों को यूक्रेन का समर्थन बढ़ाने और सैन्य खर्च बढ़ाने का बहाना देती हैं। रूस अपने सैन्य लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहले मोनालिसा, अब रेनॉयर: फ्रांसीसी म्यूजियम से बेशकीमती पेंटिंग चोरी, कब-कब चुराई गईं करोड़ों की कलाकृतियां

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के कैग्नेस-सुर-मेर शहर के मेयर ने मंगलवार को बताया कि चोरों ने फ्रेंच रिवेरा स्थित रेनॉयर म्यूजियम में सेंध लगाकर फ्रांसीसी इंप्रेशनिस्ट मास्टर ऑगस्टे रेनॉयर की चार कीमती कलाकृतियां चुरा लीं। हालांकि, भागते समय चोर दो पेंटिंग म्यूजियम के बगीचे में ही छोड़ गए। म्यूजियम में रेनॉयर की कुल 12 कलाकृतियां थीं। चोरी हुईं दो पेंटिंग हैं 'पोर्ट्रेट ऑफ़ मैडम कोलोना रोमानो' और 'यंग वुमन एट द वेल' हैं। पुलिस फिलहाल चोरी को अंजाम देने वालों की तलाश में जुटी है। इस घटना के बीच आइए, दुनिया में हुई कला की कुछ दूसरी चर्चित और बड़ी चोरियों पर एक नजर डालते हैं।

इटली के म्यूजियम से रेनॉयर, सेजान और मैटिस की पेंटिंग चोरी : मार्च में चोर उत्तरी इटली के पार्मा शहर के पास स्थित एक निजी म्यूजियम, मैग्नानी रोक्का फ़ाउंडेशन से फ्रांसीसी कला जगत के तीन दिग्गजों की पेंटिंग चुराकर फरार हो गए। चोरी हुई तीन पेंटिंग में ऑगस्टे रेनॉयर की 'फिश', पॉल सेजान की 'स्टिल लाइफ़ विद चेरीज' और हेनरी मैटिस की 'ओडालिस्क ऑन द टेरेस' शामिल थीं। आकार में भले ही ये कलाकृतियां छोटी मानी जाती थीं, लेकिन इनकी कीमत लाखों यूरो आंकी गई थी।

कुछ महीनों बाद बरामद हुईं तीनों कलाकृतियां : अगस्त में इटली की कैराबिनियरी यानी पुलिस बल की आर्ट रिकवरी स्क्वाड ने तीनों पेंटिंग बरामद कर लीं। चोरी के सिलसिले में संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा माने जा रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया गया।

लूव्र में दिनदहाड़े चोरी, नेपोलियन काल के शाही गहने ले गए चोर : अक्टूबर में दिनदहाड़े हुई एक नाटकीय चोरी में पेरिस के लूव्र म्यूजियम से फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट और उनके परिवार के शाही गहनों के संग्रह से नौ चीजें चुरा ली गईं। चोरों ने उस समय लूव्र को निशाना बनाया, जब म्यूज़ियम आम दर्शकों के लिए खुला हुआ था। उन्होंने म्यूज़ियम की बाहरी दीवार तक पहुंचने के लिए बास्केट लिफ्ट का इस्तेमाल किया। इसके बाद महज कुछ मिनटों में उन्होंने डिस्प्ले केस तोड़ दिए और करीब 88 मिलियन यूरो (102 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के गहने लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान में नीलम जड़ा एक डायडेम, एक हार और एक कान की बाली शामिल थी।

ज्यादातर गहने अब भी गायब : चोरी को अंजाम देने वाले चार लोगों के गिरोह को आखिरकार पकड़ लिया गया, लेकिन चोरी किए गए ज्यादातर गहने बरामद नहीं हो सके। केवल महारानी यूजीनी का हीरे और पन्ने जड़ा ताज ही म्यूजियम के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में मिला। माना गया कि भागते समय चोरों से यह ताज गिर गया था। इस चोरी के बाद दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूज़ियमों में शामिल लूव्र ने अपने निदेशक को बदल दिया और सुरक्षा तथा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया।

मोना लिसा की चोरी ने बढ़ाई पेंटिंग की शोहरत : लूव्र में चोरी और डकैती की कोशिशों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसकी सबसे मशहूर घटना 1911 में हुई, जब लियोनार्डो दा विंची की 'मोना लिसा' अपने फ्रेम से गायब हो गई थी। इसे म्यूजियम के पूर्व कर्मचारी विन्सेन्ज़ो पेरुगिया ने चुराया था। वह म्यूज़ियम के अंदर छिपा रहा और बाद में अपने कोट के नीचे पेंटिंग छिपाकर बाहर निकल गया।

दो साल बाद फ्लोरेंस में मिली मोना लिसा : चोरी के करीब दो साल बाद 'मोना लिसा' को इटली के फ्लोरेंस में बरामद किया गया। इस घटना ने लियोनार्डो दा विंची की इस पेंटिंग को दुनिया की सबसे चर्चित और मशहूर कलाकृतियों में शामिल करने में बड़ी भूमिका निभाई।

बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूज़ियम की चोरी आज भी रहस्य : इसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी कला चोरियों में से एक माना जाता है। हालांकि, 35 साल बीत जाने के बाद भी बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम से चोरी हुई 13 कलाकृतियों का मामला अब तक अनसुलझा है।

पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूज़ियम में घुसे थे चोर : 18 मार्च 1990 की सुबह दो लोग बोस्टन पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूज़ियम में दाखिल हुए। उन्होंने कहा कि वे एक कॉल का जवाब देने आए हैं। म्यूजियम के अंदर पहुंचने के बाद उन्होंने दो सुरक्षा गार्डों को काबू में कर लिया और उन्हें डक्ट टेप से बांध दिया। इसके बाद करीब 81 मिनट तक उन्होंने म्यूज़ियम से 13 कलाकृतियां चुरा लीं। चोरी हुई कलाकृतियों में रेम्ब्रांट, वर्मीर, डेगास और मैनेट जैसे महान कलाकारों की बेशकीमती कृतियां शामिल थीं। अधिकारियों का कहना है कि चोरी हुई इन कलाकृतियों की कीमत करीब आधा बिलियन डॉलर तक हो सकती है। हालांकि, म्यूज़ियम अधिकारियों के मुताबिक इनका असली मूल्य सिर्फ पैसों में नहीं आंका जा सकता, क्योंकि इनकी जगह दूसरी कलाकृतियां नहीं रखी जा सकतीं। कुछ कलाकृतियों को उनके फ्रेम से काटकर निकाला गया था। इनमें रेम्ब्रांट की मशहूर पेंटिंग 'स्टॉर्म ऑन द सी ऑफ़ गैलिली' भी शामिल थी।

अमेरिका ने ईरान के पांच तेल टैंकर उड़ाए: जवाब में तेहरान ने जॉर्डन पर दागीं मिसाइलें; क्या फिर बढ़ेगा तनाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। मंगलवार को तनाव फिर बढ़ गया। अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी।

अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। किविक, चार्मिनार, होराइजन-1 और रिस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे। पांचवां जहाज डेर्या स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में खर्ग द्वीप के पास था। अमेरिका ने इन्हीं जहाजों को निशाना बनाया है।

ईरान ने अमेरिका को कैसे दिया जवाब : अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन अमेरिकी सहयोगी है और वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। वहीं, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन के पास मौजूद तेल टैंकरों को तुरंत हटने को कहा है। इतना ही नहीं, ईरान ने दोनों देशों पर अमेरिकी सेना को ठिकाने देने और हमलों में मदद करने का आरोप लगाया।

आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु रक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का सबसे बड़ा आर्थिक मोर्चा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता था। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है।

हालात: ट्रंप ने 10 घंटे तक एआई तस्वीरों की बौछार की; ईरान की तबाही और अरबों कमाने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अगर तस्वीरों में किसी देश, जलडमरूमध्य, झील और यहां तक कि चांद पर भी अमेरिका का दावा किया जा सकता है तो ट्रंप की एआई दुनिया में ऐसा ही हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर करीब 10 घंटे तक दर्जनों एआई-निर्मित तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें होर्मुज जलडमरूमध्य को नया अमेरिकी क्षेत्र, चांद को हमारा और लेक ओंटारियो को लेक अमेरिका दिखाया गया। इन तस्वीरों के बीच ट्रंप ने ईरान को तबाह होता दिखाया और खुद को अमेरिका के सुपरहीरो के रूप में पेश किया। इसी दौरान उन्होंने यह दावा भी किया कि शेयरों और अन्य होल्डिंग्स से उन्होंने अमेरिका के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। इस दावे के समर्थन में हालांकि कोई विस्तृत आंकड़ा या प्रमाण नहीं दिया गया।

ट्रंप ने एक एआई तस्वीर में खुद को व्हाइट हाउस में कई स्क्रीन के सामने शेयर बाजार पर नजर रखते दिखाया। तस्वीर पर संदेश था कि वह यह काम अपने लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए करते हैं और शेयरों तथा दूसरी होल्डिंग्स से देश के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। ट्रंप की यह पोस्ट ऐसे समय हुई है जब उनकी सोशल मीडिया कंपनी ट्रंप मीडिया की ट्रुथ एपीआई सेवा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जुलाई में अमेरिकी सीनेटरों ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन से इस सेवा की जांच करने का आग्रह किया था।ट्रंप की पोस्ट का बड़ा हिस्सा ईरान पर केंद्रित रहा। एक तस्वीर में वह युद्धपोत के डेक से कई विस्फोटों को देखते नजर आए, जबकि दूसरी में अमेरिकी झंडे की थीम वाले हथौड़े से ईरान के नक्शे पर वार करते दिखे। एक अन्य तस्वीर में खार्ग द्वीप पर उड़ता लड़ाकू विमान दिखाया गया, जिस पर लिखा था 'बाय बाय, खार्ग।'ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर भी ट्रंप ने कई चार्ट साझा किए। ट्रंप ने एआई तस्वीरों के जरिए अपनी राजनीतिक छवि को भी नए अंदाज में पेश किया। कुछ तस्वीरों में वह भविष्य के रोबोटों से घिरे नेता के रूप में दिखे, पीछे अमेरिकी कैपिटल था।

बेंजामिन नेतन्याहू का 24 घंटे का यूएन दौरा: ममदानी ने की थी गिरफ्तारी की मांग, फिर क्यों जा रहे न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। इस्राइल के संयुक्त राष्ट्र राजदूत डैनी डैनन ने मंगलवार को बताया कि नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। 24 सितंबर की दोपहर वह संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इस्राइल लौट जाएंगे। डैनन ने कहा कि मौजूदा हालात में प्रधानमंत्री का वहां आना जरूरी है और उनके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

ममदानी ने नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग क्यों की :न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर ममदानी ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। बाद में उन्हें यह मांग वापस लेनी पड़ी, क्योंकि न्यूयॉर्क शहर के पास नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का कानूनी अधिकार नहीं है। ममदानी ने नवंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय यानी आईसीसी की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया था। इस्राइल के राजदूत डैनन ने ममदानी के बयान पर नाराजगी जताई। इस्राइल को निशाना बनाकर राजनीति करना अब आसान तरीका बन गया है। डैनन ने कहा, 'हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री आएं। आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट में नेतन्याहू पर क्या आरोप हैं अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नवंबर 2024 में नेतन्याहू और एक अन्य इस्राइली अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत ने कहा था कि नेतन्याहू पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई का आधार है। वारंट में कहा गया कि गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान मानवीय सहायता रोककर 'भूख को युद्ध के हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

क्या न्यूयॉर्क पहुंचते ही नेतन्याहू गिरफ्तार हो सकते हैं : न्यूयॉर्क शहर के पास आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हालांकि ममदानी ने अमेरिकी संघीय सरकार से नेतन्याहू के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। अमेरिका और इस्राइल दोनों आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। वहीं ट्रंप प्रशासन ने आईसीसी के कर्मचारियों पर कई प्रतिबंध लगाए हैं और इस न्यायालय को खत्म करने की कोशिश की है।

इस दौरे से जुड़ी सात अहम बातें क्या हैं : दौरा करीब 24 घंटे का होगाः नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और 24 सितंबर की दोपहर संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इस्राइल वापस लौट जाएंगे। ममदानी ने गिरफ्तारी की मांग की थीः न्यूयॉर्क के मेयर ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है। आईसीसी ने नवंबर 2024 में वारंट जारी कियाः अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसमें गाजा युद्ध के दौरान मानवीय सहायता रोकने और नागरिकों को निशाना बनाने के आरोप शामिल हैं।

यूक्रेन को 2024 में हुआ 1.2 अरब डॉलर का नुकसान, रक्षा सौदों में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार; कैसे हुआ खेल

कीव/अल्बानी, एजेंसी। रूसी सैनिकों ने 2024 में पूर्वी यूक्रेन में खाइयों पर हमला बोला तो यूक्रेनी तोपखाने के जवानों ने गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन गोले आगे बढ़ने वाली सेना के पास फटने के बजाय, लॉन्च ट्यूब से बाहर गिर गए या हल्की-सी आवाज के साथ जमीन पर जा गिरे, जिससे धूल का गुबार उड़ने लगा।

यह यूक्रेन की रक्षा कंपनियों की गद्दारी का नतीजा था। दरअसल, रक्षा कंपनियां भ्रष्टाचार में शामिल थी और उन्होंने सेना को हजारों खराब मोर्टार गोलों की आपूर्ति की थी। गोपनीय सैन्य ऑडिट रिपोर्ट सामने आने पर पता चला है कि अकेले 2024 में यूक्रेन को धोखाधड़ी और बर्बादी के कारण 1.2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। सैन्य खरीद पर स्टेट ऑडिट सर्विस व रक्षा मंत्रालय की गोपनीय ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के शीर्ष 10 सैन्य ठेकेदारों में से सात ऐसे थे जिन्होंने नए अनुबंध हासिल किए, जबकि उनके खिलाफ धोखाधड़ी के खुले आपराधिक मामले चल रहे थे। भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर कुछ कंपनियों के सीईओ या शीर्ष अधिकारियों की गिरफ्तारी के बावजूद इन कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने या इनसे दूरी बनाने के बजाय सरकारी एजेंसियां आंख मूंदकर इन्हें उपकृत करती रहीं।

भ्रष्टाचार के मामले में जमानत, फिर भी सौदा : सरकारी स्वामित्व वाले एक यूक्रेनी कारखाने ने सेना को 233,000 दोषपूर्ण मोर्टार सौंपे। कारखाने के निदेशक लियोनिद शाइमैन को युद्ध के दौरान रक्षा उद्योग में सबसे बड़े घोटालों में से एक में गिरफ्तार किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि जब शाइमैन को लगभग 28 करोड़ डॉलर का पहला मोर्टार अनुबंध दिया गया था, तब वह पहले से ही भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर थे।

बिचौलियों का खेल, कम बोली की अनदेखी : जब रक्षा खरीद एजेंसी ने सैकड़ों मिलियन डॉलर के रॉकेट आर्टिलरी खरीदने के लिए बोलियां मंगाईं, तो तीन कंपनियों ने जवाब दिया। तुर्की की मूल निर्माता कंपनी आर्का डिफेंस ने सीधे कारखाने से सबसे कम बोली (4,200 डॉलर प्रति रॉकेट) लगाई। अनुबंध सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी चेकोस्लोवाक ग्रुप की सहायक कंपनी को दे दिया गया। रक्षा अनुबंधों ने चेक समूह के 33 वर्षीय मालिक मिचेल स्ट्रनाड को फोर्ब्स की सूची में सबसे अमीर हथियार निर्माता के रूप में स्थापित कर दिया।

ट्रेड वॉर में ट्रंप की नई चाल: कनाडा के डेयरी-शराब और बाइक अमेरिका में बैन, अब क्या पलटवार करेंगे कार्नी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाने जा रहा है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह कदम दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच उठाया गया है। यह रोक तीन हफ्ते में लागू होगी। इससे पहले मंगलवार को ही कनाडा ने अमेरिका से होने वाले 20 अरब डॉलर के आयात पर जवाबी टैरिफ लगा दिए थे।

कनाडाई सामानों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखने का फैसला : मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रोडक्ट्स को अमेरिकी सरकार के बड़े और लंबे समय वाले कॉन्ट्रैक्ट्स से बाहर रखने का फैसला किया। यह कदम कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू करने और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों को तेज करने के वादे के बाद उठाया गया है।

ट्रंप ने त्नर्- को दिए निर्देश : ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (त्नः) को निर्देश दिया है कि वह कनाडा के प्रोडक्ट्स को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए अयोग्य घोषित करे। हालांकि, यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक कनाडा अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए 'पूरी और निष्पक्ष बराबरी' की अनुमति नहीं देता।

'कनाडा को ज्यादा आत्मनिर्भर बनना होगा' : इससे पहले मंगलवार को कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा की रणनीति अब ज्यादा स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम अपनी मर्जी से जी सकें।

यूरोपीय संघ के साथ रिश्ते मजबूत करने की तैयारी : एक कनाडाई अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन (श्व) के साथ ऐसे रिश्ते बनाने पर विचार कर रहा है, जो पूरी सदस्यता तो न हों, लेकिन उसके काफी करीब हों। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार करना, नई संधि पर बातचीत करना या सहयोग के दूसरे रास्ते तलाशना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और लेबर ग्रुप्स से सलाह-मशविरा कर रहा है कि श्व के साथ किस तरह के गहरे संबंध बनाए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी एक मॉडल पर फैसला नहीं हुआ है। कार्नी अगले हफ्ते फ्रांस के स्ट्रासबर्ग जाने वाले हैं। वहां वह 16 सितंबर को यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन के 'स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन' भाषण में शामिल होंगे।

दशकों पुराने करीबी रिश्ते में बढ़ी दरार : अमेरिका और कनाडा के बीच पैदा हुई यह दरार दुनिया के सबसे करीबी रिश्तों में से एक को पूरी तरह बदल रही है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं और उनके बीच रक्षा एवं सुरक्षा के भी बेहद करीबी संबंध हैं। इसके बावजूद ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नॉर्थ अमेरिकन ट्रेड एग्रीमेंट पर दोबारा बातचीत की थी और बाद में उसकी कई बार तारीफ भी की, लेकिन अब उनके प्रशासन ने कनाडाई सामानों पर कई टैरिफ लगा दिए हैं।

यूके छोड़ने पर कानूनी रोक': विजय माल्या बोले- मैं भगोड़ा नहीं; भारत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, क्या है मामला

लंदन, एजेंसी। शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर खुद को 'भगोड़ा' कहे जाने पर सवाल उठाया है। माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मैं भारत लौटने से भाग नहीं रहा हूं। मुझे भगोड़ा कहने वालों को समझना चाहिए कि मैं 1992 से यूके यानी ब्रिटेन का स्थायी निवासी हूं। फिलहाल कानूनी तौर पर देश छोड़ने पर रोक है। भारत सरकार ने मेरे साथ घोर अन्याय किया।

भारत में माल्या को भगोड़ा क्यों कहा जाता है : भारत सरकार के रिकॉर्ड में विजय माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं।

यही वजह है कि भारत में माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी के तौर पर देखा जाता है। हालांकि, माल्या अब इसी पहचान पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि ब्रिटेन में उनका रहना किसी तरह भारत से भागने की कोशिश नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी स्थिति का नतीजा है।

भारत सरकार माल्या की वापसी पर क्या कह चुकी है : भारत सरकार का रुख इस मामले में पहले से साफ रहा है। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानून के तहत वांछित लोगों को देश वापस लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने माना था कि ऐसे मामलों में कई कानूनी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि सरकार इस मामले में कई देशों के साथ बातचीत कर रही है और प्रक्रिया जारी है। उनका कहना था कि सरकार की कोशिश है कि आर्थिक अपराध के मामलों में वांछित लोग भारत लौटें और यहां की अदालतों में मुकदमे का सामना करें। माल्या ने 14,131 करोड़ रुपये की वसूली का दावा क्यों किया विजय माल्या ने मंगलवार को एक और पोस्ट किया था।

इसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दाखिल एक कथित हलफनामे का हवाला दिया। माल्या का दावा है कि इस हलफनामे के एक हिस्से में 2021 में उनसे 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का जिक्र है। माल्या ने सवाल उठाया कि अगर उनसे इतनी बड़ी रकम वसूली जा चुकी है, तो उन्हें अब भी बैंक धोखाधड़ी के आरोपी के तौर पर क्यों पेश किया जाता है। उन्होंने एक स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट की तालिका भी साझा की। इसके जरिए उन्होंने कहा कि अब सवाल यह होना चाहिए कि उन्हें उनकी रकम वापस कब मिलेगी। विजय माल्या ने यह भी दावा किया कि ईडी ने उनके अटैच फंड से 350 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम किंगफिशर कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए जारी की थी। उनका कहना है कि उनकी संपत्तियां और फंड अटैच होने के कारण वह खुद कर्मचारियों का भुगतान नहीं कर सके।

माल्या के मामले में अदालत का रुख क्या : विजय माल्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट भी सख्त रुख अपना चुका है। फरवरी 2026 में अदालत ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालती कार्यवाही से बच रहे हैं। अदालत ने कहा था कि ऐसी स्थिति में वह समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। उच्च अदालत ने माल्या को यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका भी दिया था कि क्या वह भारत लौटने का इरादा रखते हैं। माल्या की याचिका भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की सांविधानिक वैधता और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई को चुनौती देती है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि वह यह दर्ज करने के पक्ष में है कि माल्या अदालत के अधिकार क्षेत्र से बच रहे हैं। ऐसे में वह अपनी याचिका में राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। माल्या का दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने पर रोक है। अक्टूबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, जिनमें माल्या और नीरव मोदी शामिल हैं। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत वांछित आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के लिए अलग-अलग देशों के साथ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है।

माल्या ने ईडी के कथित हलफनामे का हवाला देते हुए 2021 तक 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का दावा किया है।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतरीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा।

टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिरी में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारत को इंग्लैंड की सरजमीं पर वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। हालांकि, नए-नवेले कप्तान गिल की अगुवाई में भारत ने इस फॉर्मेट में हर बड़ी टीम को कड़ी टक्कर जरूर दी है।

टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार कायम रखा है। भारतीय टीम फरवरी 2022 से क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में जुलाई 2026 तक नंबर वन रही। इसके बाद इंग्लैंड के हाथों पांच मैचों की टी20 सीरीज 0-4 से गंवाने के बाद टीम की 1600 दिनों से चली आ रही बादशाहत कुछ दिनों के लिए इंग्लिश टीम ने खत्म की। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में बड़ी जीत के साथ ही भारत ने एक बार फिर टी20 के किंग का ताज पहन लिया।

टी20 फॉर्मेट में नंबर वन रहते हुए भारत ने लगातार दो बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। 2024 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बनाया, तो 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड चैंपियन बनी। भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया और अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप जीता।

सार-समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेल सकते हैं वाशिंगटन व रेड्डी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिससे पहले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी को फिटनेस हासिल कर चुके हैं। ये दोनों खिलाड़ी गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'सुंदर और रेड्डी कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिए हैं।'

उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सुंदर श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे। वहीं, रेड्डी ने आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेला था, जिसके बाद उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट बढ़ गई और वे आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह खेल से बाहर हैं। ऐसे में उनके तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल होने के बारे में अभी कोई पक्की खबर नहीं है। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा की भागीदारी पर भी संशय बना हुआ है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। अगर इन दोनों में से कोई भी राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं जुड़ पाता, तो तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल किया जा सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान रवाना होगी। टीम इंडिया 22 सितंबर को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने का अभियान शुरू करेगी।

'वह जल्द ही अपनी बेस्ट फॉर्म में लौटेंगे'

इंटर के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद जोस मोरिन्हो ने किया विनीसियस का बचाव

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर को लेकर रियल मैड्रिड के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने भरोसा जताया है। मोरिन्हो का कहना है कि विनीसियस जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौटेंगे। चैंपियंस लीग में इंटर के खिलाफ रियल मैड्रिड की 2-1 की जीत के दौरान कुछ घरेलू दर्शकों ने विनीसियस के खिलाफ हूटिंग की थी। हालांकि, मोरिन्हो का मानना है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आलोचकों का जवाब देंगे। बुधवार को सैंटियागो बर्नबेउ में 87वें मिनट में विनीसियस को सब्स्टीट्यूट किया गया, जिससे कुछ समर्थक उनके प्रदर्शन से

नाराज दिखे। ब्राजील का यह खिलाड़ी इंटर के मजबूत डिफेंस के सामने कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। हालांकि, मोरिन्हो ने विंगर की आलोचना करने से इनकार किया और इसके बजाय टीम के लिए उनकी मेहनत की तारीफ की। मैच के बाद मोरिन्हो ने पत्रकारों से कहा, 'वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं, और उन्हें यह पता है, लेकिन वह उस विनीसियस जैसा बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो मैच का नतीजा तय करते हैं। अपनी बेस्ट फॉर्म में न होने के बावजूद वह पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।'

पुर्तगाली मैनेजर ने थकान को भी एक कारण बताया जिसकी वजह से विनीसियस मैच के आखिर में डिफेंस में अपना काम ठीक से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'जब वह पीछे आकर डिफेंस नहीं कर पाए, तो उसकी वजह थकान थी। मुझे इसकी बहुत कद्र है। मैं विनीसियस का बहुत सम्मान करता हूं। वह समय जरूर आएगा जब वह मैच का नतीजा तय करेंगे और हमें जीत दिलाएंगे।'

मोरिन्हो ने विनीसियस के प्रदर्शन की आलोचना का बचाव करते हुए इंटर की तकनीकी रणनीति के खिलाफ रियल मैड्रिड के अटैकर्स को हुई मुश्किलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'अगर वह मेहनत करते हैं, तो उन्हें हमेशा मेरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने टीम के लिए बहुत मेहनत की। ऐसी टीम के खिलाफ खेलना विंगर्स के लिए बहुत मुश्किल होता है जो पीछे तीन डिफेंडर और विंग-बैक का इस्तेमाल करती है।'

रियल मैड्रिड के बॉस का मानना ?

जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कप: शान से सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत की बेटियां

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंद दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऐंड ने भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काडू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया।

मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया।

इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु सिदार ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

जूनियर एशिया कप हॉकी

अनमोल एक्का के छह गोल की मदद से भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

मोकी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 15-0 से आसानी से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत की तरफ से कप्तान कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल किए। एक्का ने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए। एक्का के गोलों की वजह से हीं भारत ने बिना गोल वाले शुरुआती क्वार्टर को एकतरफा मुकाबले में बदल दिया। इस जीत से भारत तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 पॉइंट्स के साथ पूल ए में टॉप पर पहुंच गया। मैच में भारत ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और शुरुआती 15 मिनट में कई मौके बनाए, लेकिन चीनी ताइपे के मजबूत डिफेंस को भेद नहीं पाया। आखिरकार 17वें मिनट में

सफलता मिली जब आर्यन जेस ने पहला गोल किया, और एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। 22वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने स्कोर 3-0 कर दिया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदला। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में एक और गोल किया, और कुछ ही देर बाद एक्का ने फिर गोल किया, जिससे भारत हाफ-टाइम में 6-0 की बढ़त के साथ गया।

तीसरा क्वार्टर पूरी तरह से भारत के नाम रहा। एक्का ने अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए दो शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले और फिर एक और गोल करके अपनी संख्या चार कर ली। अजीत यादव ने भी 35वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 45वें मिनट में फिर से गोल करके अपना स्कोर पांच कर दिया और भारत को डबल फिगर में पहुंचा दिया।

आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने 48वें मिनट में गोल किया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने एक और सफल पेनल्टी कॉर्नर के साथ अपना शानदार छह गोल का आंकड़ा पूरा किया। हरपाल ने इसके तुरंत बाद अपना दूसरा गोल किया, जबकि आर्यन जेस ने मैच का अपना दूसरा गोल करके भारत को 15-0 से जीत दिलाई।

एशियन गेम्स 2026

जेमिमा की जगह प्रतिका हुई भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज प्रतिका रावल को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह शामिल किया गया है। जेमिमा, जो भारत के मिडिल ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं। उन्हें यह चोट पिछले महीने की शुरुआत में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में 'सदर्न ब्रेव' के लिए खेलते हुए लगी थी। इस चोट के कारण जेमिमा दुबई में चल रहे महिला एशिया कप 2026 से भी बाहर हो गई थीं। जब एशिया कप टीम में जेमिमा की जगह प्रतिका को शामिल करने की घोषणा की गई थी, तब उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह लेने वाली खिलाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'प्रतिका एशियन गेम्स 2026 में जेमिमा रोड्रिग्स की जगह जापान जाएंगी। एशियन गेम्स के लिए सौंपी गई 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम शामिल है।'

प्रतिका ने दुबई में चल रहे एशिया कप में अपना टी20 इंटरनेशल डेब्यू किया और भारतीय टीम मैनेजमेंट ने उन्हें नंबर तीन पोजीशन पर खेलने के लिए चुना। टूर्नामेंट के लीग स्टेज में प्रतिका ने 22, 10 और 4 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में उन्हें अचानक तब बुलाया गया जब वह इंग्लैंड में 'वन डे कप' में 'वार्विकशायर' के लिए खेलने की तैयारी कर रही थीं। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले प्रतिका ने नवंबर 2024 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी टी20 मैच नहीं खेला था, महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और वह काफी समय तक क्रिकेट नहीं खेल सकीं।

उस चोट के कारण प्रतिका महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का 2026 एडिशन भी नहीं खेल पाईं। उन्हें पिछले साल नई दिल्ली में हुए प्लेयर ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था। भारतीय टीम मैनेजमेंट को उम्मीद होगी कि रावल मिडिल ऑर्डर में जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगी, क्योंकि गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होना है। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी।

एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राधा यादव, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह, एन. श्री चरणी और नंदिनी शर्मा।

वनडे रिकॉर्ड: डेब्यू मैच में हरमन ने जड़े 150 रन

हमवतन खिलाड़ी के 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' की बराबरी

विंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी

बल्लेबाज ने बुधवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीत्जके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया।

जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए।

इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नामीबिया की तरफ से रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा।

दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकाबले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज का पहला मैच जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेगा।

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है

मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गई। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं..तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।

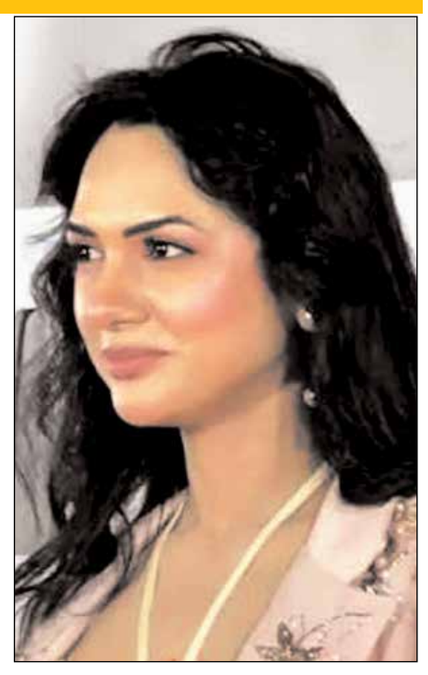

फिल्म 'दायरा' नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म 'दायरा' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म ठुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म 'दायरा' के बारे में बात करते हुए कहा, 'दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैंने एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही 'वाराणसी' के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।'

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज

अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, 'मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रह था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।' पृथ्वीराज ने आगे बताया, 'हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अजूनी का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।'

ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है।

अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'। जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, 'आई एम इनफ' (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनाए जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 9' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली 'बिग बॉस 14' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।

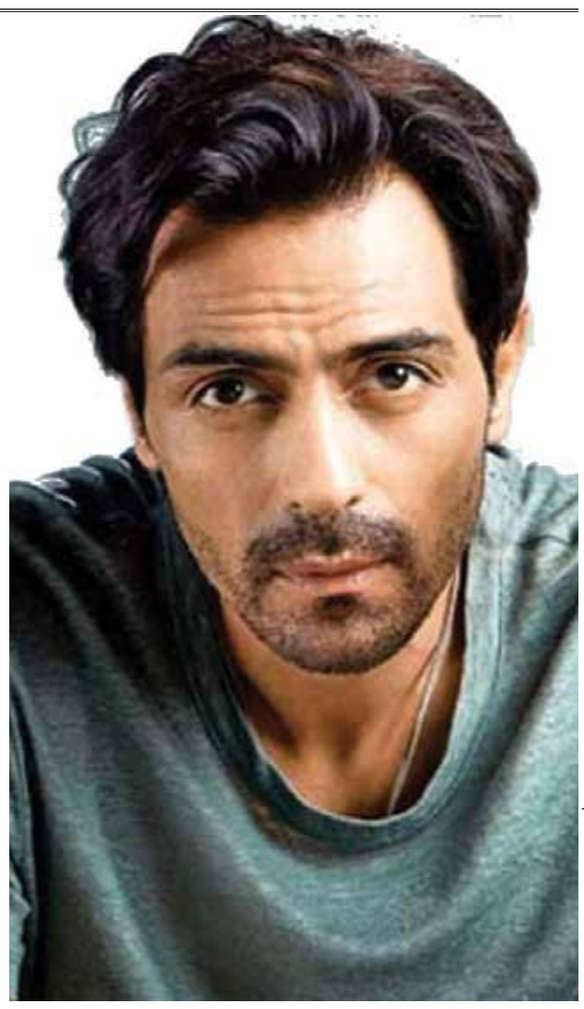

संदीपा धर ने शुरू की असुर 3 की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति।' इससे यह अंदाता लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

'राइज एंड फॉल 2' में शिरकत करने की तैयारी में गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।

अर्जुन रामपाल ने 'ओ साथी रे' को लेकर दी अपडेट

हाल ही में अर्जुन रामपाल ने इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी से मुलाकात की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने अपनी अपकमिंग सीरीज 'ओ साथी रे' की शूटिंग की जानकारी दी।

अर्जुन रामपाल ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कुछ बहुत ही खास लोगों के साथ एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट पूरा किया। आप लोगों की याद आएगी। आखिरकार अपने कॉलेज के दोस्त इम्तियाज अली के निर्देशन में काम करना बहुत अच्छा लगा। ओ साथी रे।'

अदिति राव हैदरी ने किया कमेंट

इस पोस्ट पर अदिति राव हैदरी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, 'अर्जुन, इतनी आसानी से कमाल का इंसान होने के लिए शुक्रिया। हमेशा आपकी तारीफ करती हूं। आपके नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसके जवाब में अर्जुन ने कमेंट में लिखा 'अदिति राव हैदरी तुम कमाल की हो और वह लंच शानदार था।'

फिल्म को लेकर बोले इम्तियाज अली

हाल ही में इस फिल्म की कहानी पर इम्तियाज अली ने कहा ''ओ साथी रे' ने मुझे इसके डेवलपमेंट के हर मोड़ पर हैरान किया। यह पुराने जमाने के दिल वाली एक मॉडर्न कहानी है। यह मेट्रोपॉलिटन जिंदगी की भागदौड़ के बीच एक जादुई परी-कथा जैसी है। मुझे राहत और उत्साह दोनों महसूस हो रहा है कि आरिफ, अविनाश, अदिति और अर्जुन की शानदार कास्ट को निर्देशित कर रहा हूं। नेटफ्लिक्स के साथ मजबूत होते रिश्ते की वजह से ही हम 'ओ साथी रे' की आकर्षक दुनिया में कदम रख पाए।'

वीवीआईपी विजिट के चलते दमण में 11 एवं 12 सितंबर को नो-फ्लाइंग जोन घोषित

■ ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून तथा अन्य किसी भी प्रकार की हवाई गतिविधि संचालित करने पर रहेगा प्रतिबंध

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 10 सितंबर। संघ प्रदेश में प्रस्तावित वीवीआईपी विजिट को देखते हुए दमण जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। दमण जिले में 11 और 12 सितंबर को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। इस दौरान इस जोन में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून तथा अन्य किसी भी प्रकार की हवाई गतिविधि संचालित करने पर प्रतिबंध रहेगा। दमण की उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) आरती अग्रवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए 11 और 12 सितंबर 2026 को पूरे दमण जिले में नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया है। यह आदेश वीवीआईपी की सुरक्षित हवाई आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार 11 और 12 सितंबर को वीवीआईपी का विमान दमण जिले के नानी दमण स्थित नमो एयरपोर्ट से लैंड और टेक-ऑफ करेगा। वीवीआईपी की सुरक्षा तथा सुरक्षित हवाई मार्ग को ध्यान में रखते हुए ऐसी सभी गतिविधियों पर रोक लगाई गई है, जिनसे हवाई यातायात में किसी प्रकार की बाधा या सुरक्षा संबंधी खतरा उत्पन्न हो सकता है। आदेश के तहत दमण जिले में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून तथा अन्य किसी भी प्रकार की हवाई गतिविधि संचालित करने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा ऐसे हेलीकॉप्टरों की उड़ान पर भी रोक रहेगी, जिनसे वीवीआईपी के सुरक्षित हवाई मार्ग में किसी प्रकार की बाधा या अवरोध उत्पन्न होने की आशंका हो। एसडीएम ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध 11 सितंबर से 12 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन का कहना है कि वीवीआईपी दौरे के दौरान सुरक्षा और हवाई यातायात को निर्बाध बनाए रखने के लिए यह कदम आवश्यक है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि दमण जिले में रहने वाले सभी लोगों को व्यक्तिगत रूप से नोटिस देना संभव नहीं है। इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163(2) के प्रावधानों के तहत यह आदेश एकतरफा जारी किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित हवाई गतिविधि न करें और वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें।

दमण कलेक्टर द्वारा थार और फॉर्च्यूनर मालिकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाने पहल की किरण मजूमदार-शॉ ने की प्रशंसा, एक्स पर दी प्रतिक्रिया

■ किरण मजूमदार-शॉ ने एक्स पर इस अभियान की एक वीडियो शेयर कर कहा कि भारत को ड्राइविंग व्यवहार में सुधार के लिए इस तरह के और अधिक अभियान चलाने की आवश्यकता है

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 10 सितंबर। दमण में सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए प्रशासन द्वारा एक अनोखी पहल की गई थी। जिसके तहत दमण में पंजीकृत सभी महिंद्रा थार एवं टोयोटा फोर्च्यूनर मालिकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए दमण जिला कलेक्टर द्वारा शपथ दिलायी गयी थी। इस मुहिम की सराहना करते हुए बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ ने दमण में सड़क सुरक्षा पहल का समर्थन किया है, जहां महिंद्रा थार और टोयोटा फॉर्च्यूनर एसयूवी के मालिकों से यातायात नियमों का पालन करने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की सार्वजनिक शपथ लेने को कहा गया था। सोशल मीडिया पर इस अभियान के एक वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, मजूमदार-शॉ ने कहा कि भारत को ड्राइविंग व्यवहार में सुधार के लिए इस तरह के और अधिक ह्यप्रशिक्षणह्न की आवश्यकता है। उन्होंने लिखा, मुझे लगता है कि भारत को एक और ड्राइविंग सबक से कहीं अधिक इस तरह के ह्यप्रशिक्षणह्न की आवश्यकता है। दमण कलेक्टर का यह सराहनीय कदम है। उन्होंने आगे कहा, थार और फॉर्च्यूनर के मालिकों से सुरक्षित वाहन चलाने की शपथ दिलवाना, कभी-कभी एक छोटी सी सार्वजनिक प्रतिज्ञा हजारों सड़क संकेतों से बेहतर काम कर सकती है।

श्रीनाथजी बीबीए कॉलेज के विद्यार्थी पार्थ जोशी ने जीती वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय बैडमिंटन चैंपियनशिप

■ 70 से अधिक खिलाड़ियों को पछाड़कर हासिल किया विश्वविद्यालय चैंपियन का खिताबः अब वेस्ट जोन यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में करेंगे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 10 सितंबर। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सूरत की ओर से आगामी वेस्ट जोन यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए आयोजित टूर्नामेंट-कम-चयन प्रक्रिया में दमण के प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ी पार्थ जोशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। दक्षिण गुजरात के विभिन्न कॉलेजों से 70 से अधिक खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन नर्मदा कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स जाडेश्वर द्वारा जीएनएफसी टाउनशिप बैडमिंटन हॉल भरूच में 9 सितंबर 2026 को किया गया। श्रीनाथजी बीबीए कॉलेज दमण से पार्थ जोशी प्रतिभागी बने थे। पार्थ जोशी ने प्रतियोगिता की शुरुआत से ही अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सभी मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया और अंतिम 8 खिलाड़ियों में जगह बनाई। इसके बाद खेले गए लीग राउंड में भी पार्थ ने अपना दबदबा कायम रखा और सभी 7 खिलाड़ियों को पराजित कर अजेय रहते हुए चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इस शानदार उपलब्धि के साथ पार्थ अब आगामी वेस्ट ज़ोन यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्थ जोशी की इस उपलब्धि ने क्षेत्र में बैडमिंटन पर उनकी मजबूत पकड़ और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन को एक बार फिर साबित किया है। वह पिछले कई वर्षों से दमण एवं दीव तथा दादरा नगर हवेली के केंद्र शासित प्रदेश का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। अपनी खेल प्रतिभा और उपलब्धियों के माध्यम से उन्होंने अपने कॉलेज के साथ-साथ दमण और पूरे केंद्र शासित प्रदेश का नाम भी गौरवान्वित किया है। वर्तमान में पार्थ गोवा राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। इसका मुख्य कारण दमण में बैडमिंटन के लिए पर्याप्त खेल अवसंरचना और आवश्यक संस्थागत व्यवस्था का अभाव है।

दमण के खिलाड़ियों को अपनी ही धरती से प्रतिनिधित्व का अवसर मिले

दमण में बैडमिंटन की प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यहां के कई युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन उचित खेल अवसंरचना और संगठनात्मक सुविधाओं के अभाव में स्थानीय खिलाड़ियों के सामने दूसरे राज्यों से खेलने का विकल्प चुनने की स्थिति उत्पन्न हो रही है। हाल ही में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दमण में बैडमिंटन एसोसिएशन की संबद्धता के आवेदन को एक बार फिर अस्वीकार किए जाने से यहां के उभरते हुए खिलाड़ियों और बैडमिंटन समुदाय के लिए चिंता बढ़ गई है। राष्ट्रीय संस्था से संबद्धता नहीं होने के कारण दमण के खिलाड़ियों को अपने ही केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सीधे भाग लेने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में प्रशासन से विनम्र अनुरोध है कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएं और दमण में बैडमिंटन के लिए उचित बुनियादी ढांचा तथा संस्थागत व्यवस्था विकसित करने के साथ-साथ बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया से मान्यता एवं संबद्धता प्राप्त करने की दिशा में प्रभावी पहल की जाए। इससे दमण के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपने ही प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा और क्षेत्र में बैडमिंटन की नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच प्राप्त होगा। पार्थ जोशी की यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिणाम है, बल्कि यह दमण की युवा खेल प्रतिभाओं की क्षमता का भी प्रमाण है। उम्मीद है कि उनकी यह सफलता आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी और दमण में बैडमिंटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ब्लिंकिट कर्मियों ने दमण में हड़ताल कर वेतन बढ़ाने की उठाई मांग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 10 सितंबर। दमण में ऑनलाइन किराना एवं आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी करने वाली कंपनी ब्लिंकिट के कर्मचारियों ने वेतन बढ़ाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आज हड़ताल की थी। कर्मचारियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई और काम के बढ़ते दबाव के बावजूद उन्हें पर्याप्त वेतन नहीं मिल रहा है। इसी के चलते कर्मचारियों ने काम बंद कर अपनी मांगों को प्रबंधन के समक्ष रखा। हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि डिलीवरी के दौरान उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, लेकिन उसका पर्याप्त पारिश्रमिक नहीं मिलता है। पेट्रोल-डीजल के बढ़ते खर्च, वाहन के रखरखाव तथा अन्य खर्चों के कारण मौजूदा भुगतान में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों ने वेतन में वृद्धि, बेहतर इंसेंटिव और काम की उचित शर्तों की मांग की। हड़ताल की जानकारी मिलने के बाद ब्लिंकिट संचालकों की ओर से कर्मचारियों से बातचीत कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया। संचालकों ने कर्मचारियों की समस्याओं को सुनते हुए उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया। संचालकों की ओर से फिलहाल वेतन नहीं बढाने की बात कही गई है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी प्रमुख मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक वे अपना विरोध जारी रखेंगे। हड़ताल के कारण क्षेत्र में ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं पर भी असर पड़ने की संभावना जताई गई है। स्थानीय स्तर पर मामले को बातचीत के माध्यम से शीघ्र सुलझाने के प्रयास जारी हैं।

विद्या सर्वस्य भूषणम्
SSR

SSR COLLEGE OF ARTS, COMMERCE AND SCIENCE, SILVASSA

Affiliated to Savitribai Phule Pune University (SPPU), Pune
Approved by AICTE, New Delhi and DTE, Mumbai, Maharashtra

DTE Code: 16330, Choice Code: BBA-CA-1633010310, BBA-1633010110

BBA & BBA-CA ADMISSION NOTICE: 2026-27

SSR College of Arts, Commerce and Science invites the applications for the First-Year BBA & BBA-CA admissions for Institute Level seats (IL) and Against CAP Seats (seats vacant after CAP rounds) from the registered students with Directorate of Technical Education (DTE) / State CET CELL, Mumbai, Maharashtra.

All admissions are governed by the rules published & prescribed in the Information brochure by the Govt. of Maharashtra, State Common Entrance Test Cell, DTE Mumbai, and Maharashtra. (https://cetcell.mahacet.org/)

Last date for Distribution & submission of Application Forms is **11th Sep. 2026** at the College office between **10:00 AM to 05:00 PM**. The schedule and other details for admission procedure will be displayed on the Institute Notice board and Website (www.ssracs.edu.in) from time to time.

We accept Entrance scores as approved by the DTE / CET Cell, Maharashtra.

CONTACT

Sayli Road, Silvassa Road, Silvassa – 396230, UT of DNH & DD

Contact Details: 9428857894, 9081160001

principal@ssracs.edu.in www.ssracs.edu.in

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज में अधिकाधिक युवाओं की भागीदारी का आह्वान

■ राष्ट्रीय स्तर पर चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री के समक्ष विचार रखने का मिलेगा अवसर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 10 सितम्बर। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज का आयोजन माय भारत पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवा भाग ले सकते हैं। वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री के विकसित भारत @2047 विजन के अनुरूप राष्ट्रीय युवा महोत्सव का पुनर्गठन विकसित भारत युवा संवाद के रूप में किया गया। विकसित भारत चैलेंज ट्रैक पांच चरणों में होगा। इस पहल के अंतर्गत युवाओं की सहभागिता पांच चरणों में होगी। प्रथम चरण में क्विज - 17 अगस्त से 30 सितम्बर 2026 तक, द्वितीय चरण में निबंध 05 अक्टूबर से 09 अक्टूबर 2026, तृतीय चरण में जिला चैंपियनशिप (पीपीटी) 10 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक, चतुर्थ चरण में राज्य विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग (पीपीटी) 17 नवंबर से 07 दिसंबर 2026 तक और पंचम चरण में नेशनल डायलॉग 10 जनवरी से 12 जनवरी 2027 तक चलेगा। क्विज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगामी चरणों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। विभिन्न चरणों में युवा विकसित भारत के निर्माण से जुड़े अपने विचार, विजन, नवाचार और समाधान प्रस्तुत करेंगे। चैलेंज ट्रैक के अंतर्गत सुशासन, शहरी विकास, जलवायु सुरक्षा, युवा विकास, मानव पूंजी, सतत औद्योगिकीकरण, उद्यमिता, हरित विकास, जनजातीय नेतृत्व, पर्यटन, रचनात्मक उद्योग, तकनीक, नवाचार, रोजगार, ब्लू इकोनॉमी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं को अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा। इस पूरी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण नेशनल डायलॉग होगा, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार, विजन एवं सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। माय भारत दीव के उपनिदेशक नवीन गुलिया ने जिले के सभी पात्र युवाओं से विकसित भारत क्विज में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश के भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है और युवाओं का ज्ञान, रचनात्मक सोच, नवाचार एवं नेतृत्व क्षमता विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध विकसित भारत क्विज में भाग लेकर इस राष्ट्रव्यापी अभियान से जुड़ने तथा चैलेंज ट्रैक के आगामी चरणों में भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)